लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

शुक्रवार, 17 अप्रैल, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 233

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

"मन में इच्छा, दिल में हिम्मत और कदमों में निरंतरता ये तीन चीज़ें हर दिन को सफल बना देती हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 28° Hi | NIGHT 17° Low

संक्षेप

बंगाल चुनाव से पहले अधिकारियों के तबादलों पर कोर्ट की मुहर, चुनौती देने वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल में चुनाव से पहले प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के तबादले को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी। यह तबादले भारतीय चुनाव आयोग द्वारा किए गए थे। मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत की अध्यक्षता वाली पीठ, जिसमें जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली शामिल थे, ने कहा कि इस मामले में उठाए गए कानूनी प्रश्न को फिलहाल खुला रखा जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश कलकत्ता हाई कोर्ट के 31 मार्च के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया। हाई कोर्ट ने पहले ही जनहित याचिका (PIL) को खारिज कर दिया था, जिसमें चुनाव आयोग द्वारा किए गए तबादलों को चुनौती दी गई थी। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने हैं, जबकि मतगणना 4 मई को की जाएगी।

बिंदी-तिलक विवाद पर लेंसकार्ट के सीईओ ने मांगी माफी, कहा- वायरल दस्तावेज पुराना है

नई दिल्ली, एजेंसी। लेंसकार्ट कंपनी के 'स्टाइल गाइड' को लेकर सोशल मीडिया पर छिड़े विवाद के बाद अब कंपनी के संस्थापक और सीईओ पीयूष बंसल ने अपनी सफाई पेश की है। पिछले कुछ दिनों से कंपनी की एक कथित पॉलिसी को लेकर काफी हंगामा हो रहा था। आरोप था कि कंपनी अपने कर्मचारियों को बिंदी, तिलक और कलावा पहनने से रोक रही है, जबकि हिजाब और पगड़ी की अनुमति दे रही है। इस विवाद की शुरुआत फिल्म निर्माता अशोक पंडित के एक पोस्ट से हुई थी। उन्होंने लेंसकार्ट के 'स्टाइल गाइड' का एक पन्ना साझा किया था। इसमें लिखा था कि कर्मचारी धार्मिक टीका, बिंदी या सिंदूर नहीं लगा सकते। वहीं, हिजाब और पगड़ी पहनने की अनुमति कुछ शर्तों के साथ दी गई थी। अशोक पंडित ने इसे हिंदू भावनाओं के खिलाफ बताते हुए लोगों से कंपनी के बायकॉट की अपील की थी। सोशल मीडिया पर कई लोगों ने इसे 'कॉर्पोरेट जिहाद' तक करार दिया। अब इन आरोपों पर सफाई देते हुए पीयूष बंसल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' लिखा, वायरल हो रहा दस्तावेज पुराना है। यह कंपनी की वर्तमान एचआर पॉलिसी नहीं है। उन्होंने माना कि ट्रेनिंग के इस पुराने दस्तावेज में बिंदी और तिलक को लेकर गलत बातें लिखी थीं, जो कभी नहीं होनी चाहिए थीं। बंसल ने बताया कि कंपनी ने इस गलती को 17 फरवरी को ही सुधार लिया था, यानी विवाद शुरू होने से काफी पहले ही इसे हटा दिया गया था। पीयूष बंसल ने इस चूक की पूरी जिम्मेदारी खुद ली है। उन्होंने कहा, संस्थापक और सीईओ होने के नाते इस तरह की गलती की जिम्मेदारी मेरी है। मैंने अपनी टीम को निर्देश दिए हैं कि भविष्य में ऐसी किसी भी सामग्री की बारीकी से जांच की जाए। उन्होंने साफ किया कि लेंसकार्ट किसी भी तरह की धार्मिक अभिव्यक्ति पर रोक नहीं लगाता है। कर्मचारी गर्व के साथ बिंदी, तिलक या अपनी आस्था से जुड़ा कोई भी प्रतीक पहन सकते हैं। उन्होंने कहा, हम इस बात की भी जांच कर रहे हैं कि यह चीज हमारे ट्रेनिंग कंटेंट में कैसे शामिल हो गई।

'धर्म के आधार पर मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक', लोकसभा में भिड़े अमित शाह और अखिलेश यादव, यूं आए आमने-सामने

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण से जुड़े तीन विधेयकों का प्रस्ताव केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने गुरुवार को लोकसभा पेश किया। बिल के पेश होते ही विपक्ष ने कड़ा विरोध किया। परिसीमन बिल का कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, AIMIM, बीजेडी समेत कई विपक्षी पार्टियों ने विरोध किया। इस दौरान परिसीमन बिल पर अखिलेश यादव और केंद्रीय गृह मंत्री आमने-सामने आ गए।

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव परिसीमन बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा, महिला आरक्षण बिल के सपोर्ट में हैं लेकिन परिसीमन बिल का विरोध कर रहे हैं। सपा प्रमुख ने सरकार से सवाल किया कि जनगणना क्यों नहीं हो रही है? उन्होंने कहा, सरकार जनगणना इसलिए नहीं करना चाह रही है, क्योंकि हम जातिगत जनगणना मांगेंगे फिर जाति के आधार पर रिजर्वेशन मांगेंगे। उन्होंने कहा, बीजेपी धोखा देकर आना चाहती है। अखिलेश के सवाल का जवाब देते हुए कहा केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, जनगणना का काम शुरू हो चुका है। साथ ही सरकार जाति जनगणना शुरू करने का निर्णय ले चुकी है और जातीय के साथ ही जनगणना हो रही है।

जनगणना में होगा जाति का कॉलम: अमित शाह

इस बीच सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने सवाल उठाया कि जनगणना में जाति का कॉलम नहीं है। अमित शाह ने स्पष्ट किया कि अभी घरों की गिनती हो रही है और घरों की कोई जाति नहीं होती है। उन्होंने कहा, समाजवादी पार्टी का बस चले तो घरों की भी जाति कर दे। गृहमंत्री ने कहा, जब नागरिकों की जनगणना होगी तो उसमें कॉलम जाति का कॉलम होगा।

धर्म के आधार पर आरक्षण असंवैधानिक: अमित शाह

लोकसभा में बोलते हुए अमित शाह ने कहा, धर्मेंद्र यादव ने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की बात कही। यह असंवैधानिक है। हमारा संविधान धर्म के आधार पर आरक्षण देने का अधिकार नहीं देता है। उन्होंने कहा, धर्म के आधार पर मुस्लिमों को आरक्षण असंवैधानिक है।

मुस्लिमों के आरक्षण पर शाह का अखिलेश को जवाब

अमित शाह के बयान पर अखिलेश यादव ने कहा, गृहमंत्री ने असंवैधानिक बात कही है। उन्होंने सवाल कि क्या मुस्लिम महिलाएं आधी आबादी का हिस्सा नहीं हैं। अखिलेश के इस बयान पर तुरंत पलटवार करते हुए शाह ने कहा, समाजवादी पार्टी अपने सारे टिकट मुस्लिम महिलाओं को दे दे, हमें क्या आपत्ति है।

'क्रेडिट का ब्लैंक चेक आपको दे रहा हूं, मुझे नहीं चाहिए इसका श्रेय', संसद में विपक्ष से बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट सत्र का विस्तार करते हुए सरकार ने तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है, जो गुरुवार (16 अप्रैल, 2026) को शुरू हो गया। इसमें तीन मुख्य विधेयक संविधान (131वां) संशोधन विधेयक, परिसीमन विधेयक 2026 और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) विधेयक, 2026 पेश किए गए।

सरकार ने कहा है कि इन विधेयकों का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण के कार्यान्वयन में तेजी लाना है। मंगलवार (14 अप्रैल, 2026) को केंद्र सरकार ने सांसदों के बीच ड्राफ्ट बिल बांटे। ये बिल महिलाओं के लिए आरक्षण कानून 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लागू करने और नए सिरे से परिसीमन करने से जुड़े थे। पीएम मोदी ने कहा कि ये किसी एक के राजनीतिक पक्ष में नहीं जाएगा। ये देश के लोकतंत्र के पक्ष में जाएगा और हम सब उस यश के हकदार होंगे। इसलिए जिन किसी को भी इससे राजनीति की बू आ रही है, वो पिछले 30 साल के खुद के परिणामों को देख लें। जो नुकसान हो रहा है उससे बच जाआगे। इसलिए इसे राजनीतिक रंग देने की जरूरत नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि भले ही वह ओबीसी समुदाय से आते हैं, लेकिन उनकी जिम्मेदारी सबको साथ लेकर आगे बढ़ना है। उन्होंने आगे कहा, 'संविधान ने मुझे यही सिखाया है।' पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में जब से महिला आरक्षण को लेकर चर्चा हुई और उसके बाद जब-जब चुनाव आया है, महिलाओं को मिलने वाले इस अधिकार का जिस-जिसने विरोध किया है, महिलाओं ने उसे माफ नहीं किया है। 2024 के चुनाव में ऐसा नहीं हुआ, ऐसा इसलिए नहीं हुआ क्योंकि तब सबने सर्वसम्मति से इसे पारित किया तो यह विषय ही नहीं रहा। लोकसभा में महिला आरक्षण पर पीएम मोदी ने कहा, 'इस महत्वपूर्ण विधेयक पर चर्चा आज सुबह शुरू हुई।

'जरूरत पड़ी तो 18 घंटे तक कर सकते हैं चर्चा', बोले लोकसभा स्पीकर ओम बिरला

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने तीनों बिलों पर बहस के लिए 12 घंटे का समय देने का प्रस्ताव रखा है। तीनों बिलों पर वोटिंग कल शाम 4 बजे होगी। स्पीकर ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो हम समय बढ़ाकर 18 घंटे तक कर सकते हैं। ओम बिरला ने कहा, 'मैंने बहस के लिए सभी को उचित समय दिया है।'

'भाजपा और पीएम मोदी की वजह ये मुमकिन हो पाया', महिला आरक्षण बिल को लेकर क्या बोले तेजस्वी सूर्या

तेजस्वी सूर्या ने संसद में बोलते हुए याद दिलाया कि जब पहले महिलाओं के लिए आरक्षण बिल पेश किया गया था तब आरजेडी और सपा के सांसदों ने बिल को फाड़ दिया था। उन्होंने आगे कहा कि यह बिल सिर्फ भाजपा और नरेंद्र मोदी की वजह से ही पास हो रहा है।

'मुसलमानों का प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा', असदुद्दीन ओवैसी ने किया बिल का विरोध

असदुद्दीन ओवैसी ने बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि वह इस बिल को पेश किए जाने का विरोध करते हैं, क्योंकि यह संघवाद का उल्लंघन है। ओवैसी ने तर्क दिया कि यह कदम महिलाओं के आरक्षण के बारे में नहीं है, बल्कि इससे मुसलमानों का प्रतिनिधित्व खत्म हो जाएगा, ज्दाया आबादी वाले राज्यों को और ज्दाया ताकत मिलेगी और संसदीय लोकतंत्र कमजोर होगा।

महिला आरक्षण बिल पर विपक्ष के सांसदों ने सरकार की नीयत पर उठाए सवाल

सपा सांसद डिंपल यादव ने नारी वंदन शक्ति अधिनियम पर कहा, 'सरकार की नीयत पर प्रश्नचिन्ह है क्योंकि जब यह बिल पास हुआ था तब कहा गया था कि पहले जनगणना करवाएंगे और फिर परिसीमन होगा और उसी के आधार पर महिलाओं के लिए क्षेत्र बना पाएंगे लेकिन पहले ही पायदान को नजरअंदाज किया जा रहा है। जिस स्वरूप में इस बिल को लाना चाहिए था, उस रूप में इसे नहीं लाया जा रहा है बल्कि मनमुताबिक तरीके से इसे लाया जा रहा है। हमारी मांग है कि हमारे पिछड़े वर्ग की महिलाओं को भी आरक्षण मिले।' प्रस्तावित परिसीमन बिल पर उन्होंने कहा, 'कहीं न कहीं जो छोटे प्रांत हैं, दक्षिण भारत के राज्य हैं, उनका वर्चस्व घटेगा, इनकी जो भूमिका सरकार बनाने में या अपने राज्यों में फंड पहुंचाने में है, कहीं न कहीं उसे भी क्षति पहुंचेगी।'

समाजवादी पार्टी के नेता धर्मेंद्र यादव का जिक्र

बहस के दौरान समाजवादी पार्टी के नेता धर्मेंद्र यादव का भी जिक्र हुआ। अमित शाह ने उनके बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण देने की बात कही है, जो संविधान के खिलाफ है। शाह ने स्पष्ट कहा कि भारत के संविधान में धर्म के आधार पर आरक्षण की अनुमति नहीं है। इस पर अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए कहा कि क्या मुस्लिम महिलाएं देश की आधी आबादी का हिस्सा नहीं हैं। उनका कहना था कि अगर महिलाओं के लिए आरक्षण की बात हो रही है तो उसमें सभी वर्गों की महिलाओं को शामिल किया जाना चाहिए।

परिसीमन से वर्गों को बांटने की साजिश हो रही: राजीव शुक्ला

महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस सांसद ने कहा, सभी विपक्षी दलों ने मिलकर यह फैसला किया है कि हम महिला आरक्षण के समर्थन में हैं, हम महिलाओं के लिए आरक्षण चाहते हैं। हम 2023 में पारित प्रस्ताव के साथ खड़े हैं, लेकिन परिसीमन के जरिए वे सभी वर्गों को बांटने और संवैधानिक ढांचे को नुकसान पहुंचाने की साजिश रच रहे हैं, और हम इसका विरोध करते हैं।

12 राज्यों में आज लगेंगे लू के थपेड़े, पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी का दौर शुरू हो गया है। उत्तर, पश्चिम और मध्य भारत में तापमान लगातार बढ़ रहा है, जबकि दक्षिण राज्यों में प्री-मानसून की गतिविधियों के कारण थोड़ी राहत है। बुधवार को महाराष्ट्र के अकोला में सबसे अधिक 44.2 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को मध्य प्रदेश, गुजरात, छत्तीसगढ़ सहित 11 राज्यों में लू चलने की संभावना जताई है, वहीं पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी होने के आसार हैं।

राजस्थान में बुधवार को बाड़मेर का तापमान 42.8 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं कई जगहों पर रात का तापमान 29 डिग्री तक दर्ज किया गया। 17-18 अप्रैल को पश्चिमी जिलों में इसके 44 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। उत्तर प्रदेश में अलगे 4-5 दिनों में अधिकतम तापमान 3-4 डिग्री और रात का 2-3 डिग्री बढ़ सकता है। मध्य प्रदेश के भी कई शहरों में तापमान 40 डिग्री के आस-पास पहुंच गया, वहीं बिहार में भी आज मौसम शुष्क रहेगा।

आईएमडी के अनुसार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ, ओडिशा, पश्चिमी राजस्थान, झारखंड, उत्तरी कर्नाटक, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, गुजरात के तटीय इलाके, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में 16-19 अप्रैल के बीच लू चलने की संभावना है। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल, सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मिजोरम, त्रिपुरा और पंजाब में बारिश के साथ तेज हवाएं चलने की संभावना है। मौसम विभाग ने जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड बारिश और बर्फबारी होने का अनुमान जताया है।

अनिल अंबानी को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं, फ्रॉड लोन अकाउंट्स पर रोक नहीं लगेगी

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योगपति अनिल अंबानी को बड़ा झटका देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनकी वह याचिका खारिज कर दी है, जिसमें उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा, इंडियन ओवरसीज बैंक और IDBI बैंक द्वारा उनके लोन अकाउंट्स को 'फ्रॉड' घोषित किए जाने पर रोक लगाने की मांग की थी। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा कि बॉम्बे हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच के फैसले में दखल देने का कोई आधार नहीं है। डिवीजन बेंच ने पहले ही सिंगल बेंच द्वारा दिया गया स्टे हटा दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि हाई कोर्ट की टिप्पणियों से बैंकों के खिलाफ दायर मुकदमे के अंतिम फैसले पर असर नहीं पड़ेगा। अनिल अंबानी की ओर से सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि उनके क्लाइंट बैंकों के साथ मामला सुलझाना चाहते हैं।

भाजपा पर आचार संहिता उल्लंघन करने का आरोप, स्मृति ईरानी और सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ टीएमसी की शिकायत

नई दिल्ली, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस ने गुरुवार को भाजपा नेताओं स्मृति ईरानी, सुवेंदु अधिकारी और अन्य के खिलाफ आचार संहिता (एमसीसी) का कथित उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इसके साथ ही भ्रष्टाचार में लिप्त होने के कारण भारतीय न्याय संहिता, 2023 के तहत अपराधों में शामिल होने के आरोप में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) में शिकायत दर्ज कराई।

तृणमूल कांग्रेस ने मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज अग्रवाल को लिखे पत्र में कहा, 'यह आपके ध्यान में लाना है कि 15.04.2026 को श्री सुवेंदु अधिकारी, श्रीमती स्मृति ईरानी और भाजपा के अन्य नेताओं, सदस्यों और कार्यकर्ताओं ने 'मातृशक्ति भोरसा कार्ड' नामक एक नई योजना की घोषणा की है, जिसके तहत वे कार्डधारकों के खातों में सीधे मासिक आधार पर 3,000 रुपये देने का वादा कर रहे हैं। वे इस नई योजना के फॉर्म विभिन्न स्थानों पर वितरित कर रहे हैं।'

नियमों का गंभीर उल्लंघन

ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने आगे कहा, 'इस तरह के कृत्य एमसीसी और ईसीआई द्वारा निर्धारित नियमों और विनियमों का गंभीर उल्लंघन हैं। इस तरह की घोषणा की आड़ में महिला लाभार्थियों को उपरोक्त फॉर्म भरने और जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिसके परिणामस्वरूप प्रत्यक्ष बैंक हस्तांतरण या नकद के माध्यम से मौद्रिक राशि का भुगतान किया जाता है।' तृणमूल कांग्रेस के अनुसार, 'इस तरह के धन वितरण की प्रकृति, समय और तरीका स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि यह कोई अलग-थलग या परोपकारी कार्य नहीं है, बल्कि चुनावी अवधि के निकट की गई एक सुनियोजित और समन्वित गतिविधि है, जिसका स्पष्ट उद्देश्य मतदाताओं को एक विशेष राजनीतिक दल के पक्ष में प्रभावित करना है।'

बंगाल में गरजे मुख्यमंत्री योगी, बोले- टीएमसी ने पैदा किया पहचान का संकट, खत्म होगा माफिया राज

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान में एक रैली के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में पहचान के संकट, गुंडागर्दी, अपराध और माफिया के बारे में बात की। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं आप लोगों से अपील करने आया हूँ। उन लोगों से, जिनकी वजह से बंगाल पिछले 15 सालों से पहचान के संकट का सामना कर रहा है। जिन्होंने बंगाल को आतंक, माफिया राज, रंगदारी और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है कि अब TMC की कोई ज़रूरत नहीं है। इन लोगों ने आम जनता, युवाओं, और हमारी बेटियों और बहनों के बीच डर का माहौल पैदा कर दिया है। इन्हीं की वजह से माफिया पनपा है। इस माफिया वाली प्रवृत्ति को

BJP खत्म करेगी। यही BJP का संकल्प है।

रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने जनता को याद दिलाया कि नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में भी कुछ ऐसी ही स्थिति थी। उन्होंने कहा, 'यहाँ आप जो अराजकता देख रहे हैं—डर का माहौल, दंगे, माफिया का राज, और विकास के लिए आए पैसों की हेराफेरी और भ्रष्टाचार ठीक ऐसी ही गंभीर स्थिति नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में भी थी। उन्होंने बताया कि कैसे नौ साल पहले उत्तर प्रदेश में अपराध और गुंडागर्दी अपने चरम पर थी। नौ साल पहले, हर दूसरे या तीसरे दिन दंगे होते थे। कोई त्योहार या उत्सव नहीं मनाया जा सकता था। बहनें और बेटियाँ सुरक्षित नहीं थीं, गुंडागर्दी अपने चरम पर थी, अपराध बेकाबू था, माफिया का बोलबाला था, और जन कल्याण व विकास के लिए आए पैसों की लूट होती थी। इसका सिर्फ़ एक ही इलाज है, और वह है 'डबल इंजन' वाली BJP सरकार। सीएम योगी ने आगे कहा, 'श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने कभी जो सपना देखा था, वह आज हमारे PM मोदी के नेतृत्व में पूरा हो गया है। कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है। कश्मीर में भी अब भारतीय कानून उसी तरह लागू होता है, जैसे बंगाल, बिहार और उत्तर प्रदेश में होता है। हमें अब TMC नहीं चाहिए, जिसने पिछले 15 सालों से बंगाल को पहचान के संकट में डाल रखा है और इसे आतंक, माफिया राज और भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है। PM मोदी जब दिल्ली से जनता के लिए पैसा भेजते हैं, तो TMC के गुंडे उसे हड़प लेते हैं।

इससे पहले, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी पर बंगाल की पहचान और संवैधानिक अधिकारों को कमज़ोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने 'पोइला बोइशाख' (बंगाली नव वर्ष) पश्चिम बंगाल की जनता के बीच बिताया और राज्य की सेवा करने के अपने संकल्प को दोहराया। एक्स पर एक पोस्ट में बनर्जी ने कहा कि 2011 में पद संभालने के बाद से ही वह राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी तरह समर्पित रही हैं। उन्होंने कहा कि मैंने बंगाली नव वर्ष के पहले दिन, 'पोइla बोइशाख' को सबसे सार्थक तरीके से मनाया—लोगों के बीच रहकर, उनके साथ चलकर, उनकी खुशियों और उनकी हिम्मत में शामिल होकर। 2011 में पद संभालने के बाद से, मेरा एकमात्र संकल्प बंगाल की माताओं, भाइयों और बहनों की सेवा करना रहा है; यह सुनिश्चित करना रहा है कि उनकी आकांक्षाओं को सुना जाए, उनका सम्मान हो और वे पूरी हों। यही वह वादा है, जिसे मैंने हर दिन निभाया है।'

सारंडा में मुठभेड़ जारी: नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट, एक जवान घायल

रांची। सारंडा में बुधवार से जारी सुरक्षा बल और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ गुरुवार को भी जारी है। गुरुवार को नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए आईईडी विस्फोट किया है। इस विस्फोट में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया है। घायल जवान को एयरलिफ्ट कर रांची लाया जा रहा है।

सारंडा में नक्सलियों ने गुरुवार को सुरक्षाबलों को निशाना बनाने के लिए आईईडी ब्लास्ट किया है। इस ब्लास्ट में सीआरपीएफ के कोबरा बटालियन के जवान अभिनव कुमार बुरी तरह से जख्मी हो गए हैं। चाईबासा एसपी अमित रेनू ने बताया कि अभियान के दौरान ही जंगल में एक ब्लास्ट हुआ है। जिसमें कोबरा के जवान घायल हुए हैं। उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयरलिफ्ट कर रांची भेजा जा रहा है।

प्रयागराज की 4 वर्षीय नन्हीं 'जलपरी' का कमाल, गहरी यमुना नदी को मात्र 21 मिनट 28 सेकेंड में तैरकर किया पार

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। कल्पना कीजिए एक ऐसी नन्हीं बच्ची की, जिसके कदम अभी जमीन पर पूरी तरह जमे भी नहीं हैं। इसके लिए यमुना नदी का विशाल पाट किसी समंदर से कम नहीं है। जहां बड़े-बड़े तैराकों के हौसले लहरों का शोर सुनकर डगमगा जाते हैं, वहां चार वर्ष की एक मासूम ने पानी पर अपनी जीत की इबारत लिख दी है।

यह कहानी किसी परीकथा की नहीं, बल्कि प्रयागराज की उस 'जलपरी' सत्या भारती की है, जिसने अपने चौथे जन्मदिन पर खिलौनों के बजाय तूफानी लहरों से खेलकर दुनिया को दांतों तले उंगलियां दबाने पर मजबूर कर दिया।

शहर के नैनी महेवा की रहने वाली सत्या भारती ने जब सुबह 7:24 पर यमुना की गहराई में छलांग

लगाई, तो किनारे पर खड़े हर शख्स की धड़कनें थमी हुई थीं। 900 मीटर का वो सफर, जो किसी अनुभवी तैराक के लिए भी परीक्षा जैसा होता है, उसे सत्या ने 'ब्रेस्टस्ट्रोक' स्टाइल में किसी कुशल डाल्फिन की तरह महज 21 मिनट 28 सेकंड में तय कर लिया। जैसे-जैसे उनके छोटे-छोटे हाथ पानी को पीछे धकेल रहे थे, यमुना का लहरें सत्या के अटूट हौसले के आगे नतमस्तक हो रहा था।

माता-पिता को बेटी के विश्वविजेता बनने का अटूट विश्वास

कोच त्रिभुवन निषाद के मार्गदर्शन में तैर रही सत्या की एकाग्रता देखने लायक थी। घाट पर मौजूद भीड़ का शोर और 'सत्या जिंदाबाद' के नारों ने मानों उसे ऊर्जा की एक नई लहर दे दी थी। माता-पिता और दादी की आँखों में डर नहीं, बल्कि अपनी बेटी के विश्वविजेता बनने का अटूट विश्वास चमक रहा था।

यमुना नदी की 900 मीटर दूरी पार की

गुरुवार सुबह 7:45:28 बजे जब सत्या ने दूसरे छोर को छुआ तो प्रयागराज की माटी ने एक इतिहास बनते देखा। यह सिर्फ 900 मीटर की दूरी नहीं थी, बल्कि एक चार साल की बच्ची का वो संकल्प था जिसने असंभव शब्द की परिभाषा बदल दी। आज पूरा देश इस नन्हीं चैंपियन की ओर देख रहा है, जिसके सपनों में अभी से ओलंपिक के पदक चमकने लगे हैं।

क्या कहते हैं नन्हीं जलपरी के कोच?

कोच त्रिभुवन निषाद कहते हैं कि सत्या की यह जीत महज एक रिकार्ड नहीं, बल्कि उन करोड़ों माता-पिता के लिए एक संदेश है कि प्रतिभा उम्र की मोहताज नहीं होती। आज यमुना की लहरें शांत हैं पर सत्या के हौसले की गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। यह नन्हीं जलपरी कल जब बड़ी होगी, तो शायद समंदर भी छोटे पड़ जाएंगे, क्योंकि उसके सीने में धड़कता दिल किसी साधारण बच्ची का नहीं, बल्कि एक भविष्य की महाविजेता का है। लहरों ने तो सिर्फ रास्ता दिया था, इतिहास तो सत्या के हौसलों ने रचा है।

माता-पिता और दादी के साथ पहुंची थी सत्या

सत्या का एडमिशन भी भारतीय विद्यापीठ स्कूल में इस वर्ष हुआ है। यमुना पार करने के लिए वह अपने पिता देवेंद्र कुमार, माता शिवानी भारतीय और दादी नीलम भारतीय के साथ महेवा घाट पर पहुंची तो वहां पहले से मौजूद दर्शकों ने ताली बजाकर उत्साह बढ़ाया। कोच कमला निषाद बताती हैं कि परिवार व रिश्तेदार सभी लोग दर्जनों नाव पर बैठकर मीरापुर सिंधु सागर घाट (बरगद घाट) की ओर पहुंचे । वहां सृष्टि निषाद, मानस निषाद व त्रिभुवन निषाद के साथ सत्या दूसरे नाव पर सवार हुई।

प्रशिक्षक का इशारा पाकर यमुना में कूद गई सत्या भारती

सुबह 7:24 पर अपने प्रशिक्षक के इशारा पाते ही यमुना नदी में कूद गई और मछली के तरीके तैरना शुरू कर दिया साथ। दर्जनों नाव पर सवार दर्शकों ने गंगा मैया की जय, जमुना मैया की जय का उद्घोष किया। पूरी सुरक्षा के बीच सत्या भारती ने मात्र 21 मिनट 28 सेकंड में यमुना नदी को पार किया।

ग्राम पंचायत के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकार सीज

सुल्तानपुर। करौंदीकला विकास खंड की ग्राम पंचायत कम्मरपुर में शासकीय धनराशि के कथित अनियमित भुगतान का मामला अब प्रशासनिक कार्रवाई तक पहुंच गया है। शिकायत मिलने के बाद अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू कर दी है। कम्मरपुर निवासी धर्मेन्द्र कुमार तिवारी ने आईजीआरएस पोर्टल के माध्यम से शिकायत दर्ज कर ग्राम पंचायत में सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया। शिकायत में कहा गया कि ग्राम प्रधान ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने करीबी व्यक्ति की फर्म को नियमों के विरुद्ध भुगतान कराया। प्रारंभिक जांच में ग्राम प्रधान मनोज तिवारी की भूमिका संदिग्ध पाई गई है। इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर ग्राम पंचायत के वित्तीय और प्रशासनिक अधिकारों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी गई है।

तेरहवीं कार्यक्रम में फायरिंग के घायल की मौत, गांव में तनाव के बीच अंतिम संस्कार

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। थाना क्षेत्र के बिघौली गांव में तेरहवीं कार्यक्रम के दौरान हुई फायरिंग में घायल दिलीप कुमार की इलाज के दौरान मौत हो गई। गुरुवार को गांव में तनावपूर्ण माहौल के बीच प्रशासन की मौजूदगी में उनका अंतिम संस्कार कराया गया।

जानकारी के अनुसार 9 अप्रैल की रात तेरहवीं निमंत्रण को लेकर विवाद हुआ था, जिसके बाद आरोपियों ने फायरिंग कर दी। इस घटना में दिलीप कुमार सहित पांच लोग घायल हो गए थे। गंभीर हालत में दिलीप को लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर किया गया था, जहां 16 अप्रैल को उनकी मौत हो गई। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी, बुलडोजर कार्रवाई, 50 लाख रुपये मुआवजा, सरकारी नौकरी और शस्त्र लाइसेंस की मांग को लेकर अंतिम संस्कार से इनकार कर दिया। सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार गुलाब सिंह व क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने परिजनों से वार्ता की। अधिकारियों के आश्वासन और काफी समझाने-बुझाने के बाद परिजन माने और अपनी मांगों को लिखित रूप में सौंपते हुए अंतिम संस्कार के लिए राजी हुए। क्षेत्राधिकारी आशुतोष कुमार ने बताया कि मामले में मृत्योपरांत धारा 302 बढ़ा दी गई है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। वहीं नायब तहसीलदार ने कहा कि पीड़ति परिवार की मांगों को उच्चाधिकारियों तक पहुंचाकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनाव को देखते हुए बल्दीराय, धनपतगंज सहित कई थानों की पुलिस फोर्स तैनात रही।

गाजियाबाद में 500 झुग्गियों में लगी भीषण आग, एक-एक कर फट रहे सिलिंडर ; धमाकों से दहल उठे लोग

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के कनवानी गांव में बृहस्पतिवार दोपहर करीब 12 बजे अचानक भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में 500 से अधिक झुग्गियां देखते ही देखते जलकर राख हो गईं। आग की लपटें इतनी विकराल थीं कि दूर से ही दिखाई दे रही थीं, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

आग लगने के तुरंत बाद झुग्गियों में रखे रसोई गैस सिलिंडर एक-एक करके फटने लगे। इन धमाकों की आवाज से पूरा क्षेत्र दहल उठा और लोगों में दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस बल और दमकल विभाग की कई टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने बिना देरी किए आग बुझाने का काम शुरू कर दिया।

आग पर काबू पाने के लिए दर्जनों दमकल गाड़ियां लगाई गई हैं। अग्निशमन अभियान में कई घंटे

लगने की संभावना है क्योंकि आग बड़े क्षेत्र में फैली है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस और दमकल की टीमों ने युद्धस्तर पर बचाव कार्य शुरू किया। आग बुझाने के लिए लगातार पानी की बौछारें की जा रही हैं। स्थानीय निवासियों ने भी अपनी जान जोखिम में डालकर आग बुझाने में मदद की कोशिश की।

इस भीषण अग्निकांड से सैकड़ों परिवारों का आशियाना उजड़ गया है। उनके पास खाने-पीने और रहने का कोई साधन नहीं बचा है। आग से हुए भारी नुकसान का आकलन किया जाएगा। पुलिस ने आग लगने के कारणों की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

आयुक्त ने भ्रमण कर विकास कार्यों एवं कानून-व्यवस्था का लिया जायजा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। मण्डलायुक्त ने जिलाधिकारी कुमार हर्ष, पुलिस अधीक्षक चारु निगम की उपस्थिति में सलामी (गार्ड ऑफ ऑनर) ग्रहण की। तत्पश्चात उन्होंने अधिकारियों के साथ जनपद की कानून-व्यवस्था एवं महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर संक्षिप्त चर्चा की। भ्रमण के अगले चरण में मण्डलायुक्त थाना गोसाईगंज पहुँचे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निम्न बिंदुओं पर विशेष ध्यान दिया, निर्माणाधीन भवनः थाने में बन रहे नवीन भवन के निर्माण कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं मानकों के अनुरूप पूर्ण किया जाए। थाना परिसर का अवलोकनः थाना कार्यालय, बैरक एवं मेस का निरीक्षण कर साफ-सफाई तथा अभिलेखों के रख-रखाव की स्थिति का जायजा लिया। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले फरियादियों की समस्याओं का त्वरित एवं न्यायपूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप विकास कार्यों में पारदर्शिता एवं पुलिस प्रशासन में संवेदनशीलता अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी।इस अवसर पर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संभल में बुलडोजर कार्रवाई : सरकारी जमीन पर बने इमामबाड़ा-ईदगाह किया गया ध्वस्त

आर्यावर्त संवाददाता

संभल। संभल के के गांव बिछौली में बृहस्पतिवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरकारी भूमि पर बने इमामबाड़ा और ईदगाह को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान पूरे क्षेत्र में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। तनाव को देखते हुए आरआरएफ के साथ भारी पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

गांव बिछौली में स्थित खाद के गड्ढे की जमीन को लेकर तहसीलदार न्यायालय ने जनवरी माह में बेदखली का आदेश जारी किया था। आदेश के अनुपालन के लिए प्रशासन ने पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी और लेखपालों की एक विशेष टीम गठित की गई थी। सुबह करीब नौ बजे प्रशासनिक टीम चार बुलडोजरों के साथ मौके पर पहुंची। एसडीएम निधि पटेल की मौजूदगी में अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई। बुलडोजरों ने लगातार इमामबाड़ा और ईदगाह के ढांचे को गिराना शुरू किया। इससे मौके पर बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। कार्रवाई के दौरान जिला अधिकारी और पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौके पर पहुंचे। दोनों ने अधीनस्थों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पूरे इलाके को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश पर की जा रही है। सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करवाया गया है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से बदलेगी भारतीय राजनीति की तस्वीर : डॉ. इन्द्रजीत कौर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। केएनआईपीएसएस प्रबंधन संस्थान की निदेशक डॉ. इन्द्रजीत कौर ने मोदी सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम को महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक और दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि यह अधिनियम भारत की राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान न केवल उनके प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करेगा, बल्कि नीति निर्माण और निर्णय प्रक्रिया में उनकी प्रभावी भागीदारी भी तय करेगा। डॉ. कौर ने कहा कि वर्ष 2023 में संसद द्वारा पारित यह विधेयक लंबे समय से चली आ रही उस कमी को दूर करेगा, जिसमें महिलाओं की संख्या विधानमंडलों में अपेक्षाकृत कम रही है। अब महिलाओं की आवाज़ अधिक मजबूती से उठेगी और उनके मुद्दों को उचित स्थान मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह अधिनियम केवल राजनीतिक भागीदारी तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और रोजगार जैसे अहम क्षेत्रों में भी महिलाओं की भूमिका को सशक्त करेगा। इससे समाज में लैंगिक समानता को बढ़ावा मिलेगा और देश के लोकतंत्र को नई मजबूती प्राप्त होगी। डॉ. इन्द्रजीत कौर ने विश्वास जताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम आने वाले समय में भारत के सामाजिक और राजनीतिक ढांचे में सकारात्मक और व्यापक परिवर्तन लाएगा।

तिलक समारोह में खाना खाने से 40 लोगों को फूड पॉइजनिंग, अस्पताल में कराए गए भर्ती

आर्यावर्त संवाददाता

रायबरेली। यूपी के रायबरेली में तिलक समारोह में खाना खाने के कुछ देर बाद 40 लोगों को फूड पॉइजनिंग हो गई। उन्हें आनन फानन सीएचसी पहुंचाया गया। वहां इलाज के बाज उनकी हालत में सुधार आया। मामला शिवगढ़ कस्बा का है। यहां के रहने वाले राजन गुप्ता के बेटे सुशील गुप्ता का बुधवार को तिलक था। इसमें क्षेत्र के सैकड़ों लोग आमंत्रित थे। कार्यक्रम बछरावा स्थित एक मैरिज हाल में था।

मैरिज हाल में आयोजित भोज में सब लोगों ने खाना खाया। आधी रात करीब 12.30 बजे कई लोगों की हालत बिगड़ने लगी। उनको सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, शिवगढ़ पहुंचाया गया। वहां इमरजेंसी में तैनात डॉ अनिल और प्रमोद पांडेय ने 40 लोगों का इलाज किया।

बीमार लोगों में सुमन (30), आदर्श (17) प्रेमा (65) शकीला (46) कुसुम लता (65) ज्ञानेंद्र (35) अजय जायसवाल (36) वर्षा (10) प्रदीप सिंह (32) कुदरत अली (48) मुराद (18) सोनू (50) अंकुश (15) सानवी (6) सचिन (15) साधना (29) दुर्गेश (37) आदि 40 लोग शामिल हैं। डॉक्टर अनिल कुमार ने बताया कि बताया कि फूड पॉइजनिंग से उल्टियां हो रही थीं। दवा देकर घर भेज दिया गया है। सभी की हालत खतरे से बाहर है। किसी को रेफर नहीं किया गया है।

'करना चाहती हूं सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी', बेटी की इस मांग पर पिता ने कहा- गलत राह पर हो, कोर्ट पहुंची

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी में परिवार को बाधक बताकर मुरादाबाद की युवती ने इलाहाबाद हाईकोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। वहीं, पिता ने बेटी की गुमशुदगी दर्ज करा साथ रहने वाली सहेली पर उसे बहलाकर गलत काम में धकेलने का आरोप लगाया है।

मामले की सुनवाई कर रही न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने मुरादाबाद के एसएसपी को पिता-पुत्री के बीच उपजे विवाद की सच्चाई पता लगा कर सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

मामला छजलैट थाना क्षेत्र का है। पिता ने बेटी की गुमशुदगी दर्ज कराई। उधर बेटी, उसके साथ रह रही सहेली ने पिता और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ याचिका दाखिल कर कोर्ट से सुरक्षा की मांग की है।

याची युवती का दावा है कि वह बालिग है। मुरादाबाद के पीतल नगरी में अपनी सहेली संग रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करना चाहती है। उसकी सहेली उसे आर्थिक सहायता मुहैया करा रही है। जबकि, उसके पिता और अन्य रिश्तेदार इसका विरोध कर रहे है। वह पढ़ाई छुड़वा कर उसे घर ले जाना चाहते हैं।

याची के अधिवक्ता ठाकुर प्रसाद दुबे ने दलील दी कि बालिग बेटी को पढ़ाई करने, अपनी मर्जी से नौकरी की तैयारी करने से रोकना स्वतंत्रता के अधिकार का हनन है।

'बेटी सहेली के बहकावे में है'

वहीं, दूसरी तरफ पिता के अधिवक्ता राजेश कुमार यादव ने सनसनीखेज दावा किया। कहा कि बेटी सहेली के बहकावे में है। एक अप्रैल से गायब है। इसकी गुमशुदगी की एनसीआर थाने में दर्ज कराई गई है। पिता का आरोप है कि उसकी सहेली बेटी को गुमराह कर गलत कामों में धकेलने की कोशिश कर रही है। मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए कोर्ट ने एसएसपी मुरादाबाद जांच का आदेश दिया है। कहा है कि मामले की जांच पुलिस उपाधीक्षक रैंक के अधिकारी से कराई जाए। पता लगाया जाए कि क्या वाकई युवती के सिविल सेवा की तैयारी से रोका जा रहा है।

चास मीटर तक बिखर गए शवों के टुकड़े, पुलिस ने बंटोरे, ट्रेन की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। प्रयागराज में पचदेवरा में ट्रेन की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत असुरक्षित सफर की दर्दनाक बानगी है। प्रत्यक्षदर्शी यात्रियों के मुताबिक, ट्रेन को आता देख उन्होंने शोर मचाया लेकिन ट्रैक पर खड़े लोगों को बचने का मौका न मिल सका। हादसे के बाद करीब 50 मीटर में ट्रैक के आसपास खून ही खून फैल गया और शवों के टुकड़े बिखर गए। पचदेवरा गांव निवासी संतोष कुमार, विमलेश यादव, गिरधारी मिश्र आदि लोगों ने बताया कि शाम को एक ट्रेन काफी देर से खड़ी थी।

इसी बीच अचानक यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। गांव के लोग जब मौके पर पहुंचे तो ट्रैक पर बिखरे शवों के टुकड़ों को देख कांप गए। यात्रियों ने पुलिस को बताया कि दूसरे ट्रैक पर आ रही ट्रेन लगातार हॉर्न दे रही थी। कई लोगों ने चिल्लाकर सावधान भी किया लेकिन देर हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और रेलवे ट्रैक पर दूर तक बिखरे शवों के टुकड़े एकत्र किए। ग्रामीणों ने भी पुलिसकर्मियों का सहयोग किया। फिरोजाबाद के थाना खैरगढ़ क्षेत्र के गांव पृथ्वीपुर निवासी 19 वर्षीय आकाश अपने रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने कोलकाता जा रहा था। उसके साथ अजय निवासी कोलकाता समेत अन्य लोग भी थे, लेकिन वे सफर के दौरान काल के गर्भ में समा गए। कुछ लोगों का कहना है कि पचदेवरा हॉल्ट के पास अचानक एक यात्री के ट्रेन से गिरने की सूचना पर किसी ने चेन पुलिंग कर दी। ट्रेन रुकते ही कई यात्री नीचे उतर गए। कुछ लोग किनारे जाकर पेशाब करने लगे। इसी बीच नेताजी एक्सप्रेस ने हॉर्न दिया। ट्रेन चलने का संकेत मिलते ही सभी यात्री जल्दबाजी में वापस डिब्बों की ओर दौड़ पड़े, लेकिन विपरीत दिशा से आ रही पुरुषोत्तम एक्सप्रेस पांच लोगों के लिए काल बन गई।

पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आकर पांच लोगों की मौत

यूपी के प्रयागराज में दर्दनाक हादसा हुआ है। करछना के पचदेवरा ग्राम सभा स्थित ओवरब्रिज के नीचे रेलवे लाइन पर बुधवार शाम 6:47 बजे पुरुषोत्तम एक्सप्रेस की चपेट में आने से पांच लोगों की मौत हो गई। हादसे के शिकार लोग नेताजी एक्सप्रेस से सफर कर रहे थे। ट्रैक पर पड़े शव के कारण ट्रेन रोकी गई तो वे उसे देखने नीचे उतरे थे। फिरोजाबाद जनपद के थाना खैरगढ़ इलाके से एक परिवार के चार सदस्य नेताजी एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12312) से कोलकाता जा रहे थे। पचदेवरा के पास ट्रेन रोकी गई। ट्रैक पर पहले से एक व्यक्ति का शव पड़ा था, जिसे देखने के लिए कुछ यात्री ट्रेन से नीचे उतर आए। इसी बीच विपरीत दिशा से पुरुषोत्तम एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12801) आ गई। जब तक लोग कुछ समझ पाते तब तक पांच लोग ट्रेन की चपेट में आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। मृतकों में फिरोजाबाद निवासी एक ही परिवार के आकाश (17 वर्ष) पुत्र गिरिराज, बलराम (23 वर्ष) पुत्र मुन्ना पासी तथा उनकी भाभी व एक अन्य सदस्य शामिल हैं। एक युवक की पहचान मिर्जापुर जनपद के नीबी विशुंदरपुर निवासी सुनील कुमार (20 वर्ष) पुत्र संतलाल के रूप में हुई है, जो किसी कार्य से प्रयागराज आया था और घर लौट रहा था। घटना में मिर्जापुर के ही नकहरा निवासी प्रिंस गौतम पुत्र लालचंद बाल-बाल बच गए। हादसे की सूचना मिलते ही जीआरपी और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंचकर राहत और बचाव कार्य शुरू किया।

इमर्जिंग तकनीक से विकास को मिलेगी नई गति, कृत्रिम बुद्धिमत्ता से हर क्षेत्र में आएगा बदलाव: मुख्यमंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उभरती हुई तकनीक हमारे कार्यों और विकास की गति को नई उड़ान दे सकती है। आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत के निर्माण का आह्वान करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि हमें उभरती हुई तकनीक का उपयोग करते हुए जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ना होगा। प्रत्येक क्षेत्र में इसके प्रयोग की अपार संभावनाएं हैं। तकनीक युवाओं के जीवन को किस प्रकार गति दे सकती है, यह वर्तमान समय में तकनीक की बढ़ती रफ्तार से स्पष्ट देखा जा सकता है।मुख्यमंत्री महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश/2047' विषय पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व मुख्यमंत्री तथा टाटा संस एवं टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन ने विश्वविद्यालय के पंचकर्म केन्द्र का निरीक्षण किया तथा विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसके साथ ही 'सभी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जागरूकता' कार्यक्रम में योगदान देने वाले विद्यार्थियों तथा 'किसानों के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता' प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने वाले किसानों को भी प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर तथा चिकित्सा नवाचार केन्द्र, राजकीय चिकित्सा विज्ञान संस्थान, ग्रेटर नोएडा के मध्य सहमति पत्र का आदान-प्रदान भी किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि तकनीक तेज गति से समाधान दे सकती है, बशर्ते उसके अनुरूप रणनीति बनाकर कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पूर्व पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस से प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में मौतें होती थीं। पिछले 40 वर्षों में 50 हजार से अधिक लोगों की मृत्यु हुई थी। विशेषज्ञों से चर्चा कर विभिन्न स्थानों से आंकड़े एकत्र किए गए और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से यह पता चला कि यह बीमारी उन क्षेत्रों में अधिक थी, जहां स्वच्छता और शुद्ध पेयजल का अभाव था। इसके बाद चिन्हित बस्तियों में शौचालय निर्माण और स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई, जिसके परिणामस्वरूप इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण संभव हुआ।उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में बालिकाओं का विद्यालय छोड़ने का प्रतिशत 19 से 20 प्रतिशत था, जो एक बड़ी चुनौती थी। राज्य सरकार ने निःशुल्क शिक्षा, वर्दी, बैग, पुस्तकें, जूते-मोजे और स्वेटर उपलब्ध कराने के साथ 'स्कूल चलो अभियान' चलाया। आंकड़ों के विश्लेषण से विद्यालयों में स्वच्छ पेयजल और शौचालय की कमी को प्रमुख कारण पाया गया। इसके समाधान के बाद विद्यालय छोड़ने की दर घटकर लगभग 3 प्रतिशत रह गई।मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों द्वारा कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग कृषि क्षेत्र में अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रहा है। इसके माध्यम से वास्तविक समय के आंकड़ों के आधार पर यह पता लगाया जा सकता है कि खेत में कब और कितनी मात्रा में उर्वरक तथा पानी देना है तथा किस समय गुड़ाई और कटाई करनी है। उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से प्रदेश के किसानों ने कृषि विकास दर को 7 से 8 प्रतिशत से बढ़ाकर लगभग 18 प्रतिशत तक पहुंचाया है।उन्होंने बताया कि वर्ष 2000 से 2017 के बीच 17 वर्षों में गन्ना किसानों को 2 लाख 4 हजार करोड़ रुपये का भुगतान हुआ, जबकि वर्ष 2017 से 2025 के बीच लगभग साढ़े आठ वर्षों में 3 लाख 16 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। तकनीक के उपयोग से गन्ना पर्ची को ऑनलाइन किए जाने से किसानों की घटतौली और दलाली जैसी समस्याएं समाप्त हुईं और उन्हें समय से भुगतान सुनिश्चित हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग और बढ़ाने की आवश्यकता है। टेलीकंसल्टेशन जैसी व्यवस्थाओं से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और जिला अस्पतालों के माध्यम से अधिकांश मरीजों का उपचार संभव होगा तथा केवल गंभीर मामलों को ही उच्च स्तरीय चिकित्सा संस्थानों में भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक कृषि और चिकित्सा आपात स्थितियों में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकती है। ड्रोन के माध्यम से कम समय में खेतों में दवा का छिड़काव किया जा सकता है तथा आवश्यकता पड़ने पर रक्त या अन्य आवश्यक सामग्री को एक स्थान से दूसरे स्थान तक शीघ्र पहुंचाया जा सकता है। कानपुर और नोएडा में ड्रोन तकनीक के उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए जा रहे हैं, जबकि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर तथा संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ में चिकित्सा तकनीक से जुड़े उत्कृष्टता केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टाटा संस एवं टाटा समूह के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन ने कहा कि विकसित भारत और विकसित उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण विषय पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेना उनके लिए सम्मान की बात है।

गोरखपुर में स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र युवाओं के भविष्य को संवारने का सशक्त माध्यम बनेगा : मुख्यमंत्री

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि टाटा टेक्नोलॉजीज द्वारा गोरखपुर में स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र युवाओं के भविष्य को संवारने का एक सशक्त मंच है। यह गोरखपुर ही नहीं, बल्कि पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम-उत्तर बिहार तथा नेपाल की तराई क्षेत्र से जुड़े युवाओं, अन्नदाता किसानों तथा महिलाओं के लिए तकनीक का प्रमुख केन्द्र बनकर पूरे देश को नई दिशा प्रदान करेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं उभरती प्रौद्योगिकियों पर आधारित यह उत्कृष्टता केन्द्र प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने तथा भविष्य की आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सहायक सिद्ध होगा।मुख्यमंत्री महाराणा प्रताप प्रौद्योगिकी संस्थान, गोरखपुर में टाटा समूह के सहयोग से स्थापित उत्कृष्टता केन्द्र के उद्घाटन के उपरांत आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोगशाला का शुभारम्भ किया तथा उत्कृष्टता केन्द्र के दृष्टि दस्तावेज एवं समावेशी कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा उत्तर प्रदेश दस्तावेज का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने नवाचार आधारित उद्यमों पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में संस्थान तथा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के संयुक्त प्रयासों से 'सभी के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता जागरूकता कार्यक्रम' में एक सप्ताह में सर्वाधिक पंजीकरण कर विश्व कीर्तिमान स्थापित किए जाने की घोषणा की गई तथा इसका प्रमाण-पत्र मुख्यमंत्री को प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में संस्थान तथा विभिन्न संस्थाओं के मध्य सहमति पत्रों का आदान-प्रदान भी किया गया।मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण के लिए तैयार की गई कार्ययोजना में यह उत्कृष्टता केन्द्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आंकड़ा विज्ञान, साइबर सुरक्षा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, ड्रोन तथा त्रि-आयामी मुद्रण जैसी आधुनिक तकनीकों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे युवाओं को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार किया जा सकेगा।उन्होंने कहा कि यह उत्कृष्टता केन्द्र तकनीकी उन्नयन, अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देगा तथा नवाचार, स्टार्टअप, पेटेंट और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को नई गति प्रदान करेगा। एक समय पूर्वी उत्तर प्रदेश को पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था, लेकिन यह केन्द्र युवाओं, किसानों और महिलाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाकर पूरे क्षेत्र को समृद्ध बनाने में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी भारत की सदी है और इस सदी की नींव युवा शक्ति तथा महिला शक्ति पर आधारित होगी, जिसमें तकनीक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज आधारभूत संरचना और विनिर्माण के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो चुका है। पिछले वर्षों में प्रदेश ने स्वयं को बेहतर सड़कों, विद्युत आपूर्ति और निवेश के अनुकूल वातावरण के माध्यम से विकास के नए आयाम दिए हैं। प्रदेश में द्रुतगामी मार्गों का व्यापक जाल विकसित हुआ है और शीघ्र ही गंगा द्रुतगामी मार्ग राष्ट्र को समर्पित किया जाएगा।उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में मोबाइल निर्माण का लगभग 55 प्रतिशत तथा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के 60 प्रतिशत पुर्जे निर्मित हो रहे हैं। प्रदेश में लगभग 96 लाख सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग इकाइयां संचालित हैं तथा 22 हजार से अधिक नव उद्यम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को गति दे रहे हैं। लखनऊ को रक्षा औद्योगिक गलियारा तथा कृत्रिम बुद्धिमत्ता नगर के रूप में विकसित किया जा रहा है, जबकि बुन्देलखण्ड क्षेत्र में नई औद्योगिक नगरी तथा औषधि पार्क की स्थापना की जा रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन प्रौद्योगिकी, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा तथा त्रि-आयामी मुद्रण जैसे क्षेत्रों में दक्ष बनाना समय की आवश्यकता है। इन क्षेत्रों में प्रशिक्षण एवं पाठ्यक्रम प्रारम्भ किए जाने से प्रदेश के युवा नई तकनीकों में दक्ष बन रहे हैं। तकनीक का उपयोग कृषि, स्वास्थ्य तथा जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक रूप से किया जा सकता है और उत्तर प्रदेश संभावनाओं से परिपूर्ण प्रदेश है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए टाटा संस के अध्यक्ष एन. चन्द्रशेखरन ने कहा कि यह उत्कृष्टता केन्द्र कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, त्रि-आयामी मुद्रण, अंतरिक्ष तथा ड्रोन प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा और जीवन में व्यापक परिवर्तन लाने में सहायक सिद्ध होगा।इस अवसर पर अनेक जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

• संक्षेप •

औरैया की तीन विधानसभाओं में धार्मिक स्थलों के पर्यटन विकास हेतु 278 लाख रुपये स्वीकृत

लखनऊ। पर्यटन विभाग द्वारा राज्य सेक्टर के अंतर्गत कानपुर मण्डल के औरैया जनपद की तीन विधानसभा क्षेत्रों में पर्यटन विकास कार्यों के लिए 370 .53 लाख रुपये के सापेक्ष 278 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस धनराशि से विभिन्न धार्मिक स्थलों का पर्यटन विकास कराया जाएगा।पर्यटन मंत्री ने बताया कि दिबियापुर विधानसभा क्षेत्र में स्थित हनुमान मंदिर सेहुद धाम के पर्यटन विकास के लिए 105 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। वहीं विधुना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत दुर्वासा आश्रम के पर्यटन विकास हेतु 01 करोड़ रुपये तथा इसी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल देवता गंगा बाबा नवी मोहान, मधवापुर विकास खण्ड सहार के पर्यटन विकास के लिए 73 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है।इन कार्यों के क्रियान्वयन के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम (UPSTDC) को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। पर्यटन मंत्री ने निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ पूर्ण किए जाएं।उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ मार्गदर्शन में प्रदेश के लगभग सभी जनपदों के लिए पर्यटन विकास की योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इन योजनाओं का उद्देश्य प्राचीन धार्मिक स्थलों का पुनरुद्धार और सौंदर्यीकरण कर श्रद्धालुओं को आकर्षित करना है।पर्यटन मंत्री ने कहा कि इन योजनाओं से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे तथा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का संरक्षण करते हुए युवा पीढ़ी को अपनी विरासत से जोड़ने में सहायता मिलेगी।

वायरल वीडियो प्रकरण में एसडीओ अमित कुमार निलंबित, मंत्री ए.के. शर्मा ने दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने सोशल मीडिया पर प्रसारित एसडीओ अमित कुमार के कथित वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए तत्काल कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के प्रबंध निदेशक शंभू कुमार से वार्ता कर मामले की गहन जांच कराते हुए सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।मंत्री के निर्देशों के अनुपालन में प्रबंध निदेशक शंभू कुमार द्वारा उपखंड अधिकारी (एसडीओ) अमित कुमार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। साथ ही उनके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई भी प्रारंभ कर दी गई है।इस संबंध में मुख्य अभियंता, आजमगढ़ द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मऊ के डिवीजन प्रथम में तैनात एसडीओ द्वितीय अमित कुमार के विरुद्ध वायरल आपत्तिजनक वीडियो के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए निलंबन की कार्रवाई की गई है। साथ ही प्रकरण की विभागीय जांच भी जारी है, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।मंत्री ने स्पष्ट कहा कि इस प्रकार के प्रकरण किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि शासन की छवि को धूमिल करने वाले तथा अनुशासनहीनता में लिप्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध कठोर से कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी, ताकि प्रशासनिक व्यवस्था में अनुशासन और पारदर्शिता बनी रहे।

नोएडा में मजदूरों पर लाठीचार्ज की घटना की जांच के लिए सपा का प्रतिनिधिमंडल जाएगा गौतमबुद्ध नगर

लखनऊ। अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल 17 अप्रैल 2026 को नोएडा जनपद गौतमबुद्धनगर का दौरा करेगा। प्रतिनिधिमंडल वहां मजदूरों और श्रमिकों पर हुए कथित लाठीचार्ज की घटना की जानकारी लेगा तथा प्रभावित श्रमिकों और उनके परिवारों से मुलाकात करेगा।बताया गया है कि नोएडा में मजदूरों और श्रमिकों से 10 से 11 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर 10 से 12 घंटे तक कार्य कराया जा रहा था और उन्हें साप्ताहिक अवकाश भी नहीं दिया जा रहा था। श्रमिक लंबे समय से वेतन वृद्धि और अतिरिक्त कार्य के एवज में ओवरटाइम भुगतान की मांग कर रहे थे। इसी क्रम में नोएडा फेस-2 स्थित मदरसन इंडिया लिमिटेड के कर्मचारियों ने वेतनमान बढ़ाने की मांग को लेकर कंपनी के बाहर शांतिपूर्वक धरना दिया था।

आलमबाग पुलिस ने 7 दिन में चेन छिनैती का किया खुलासा, शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राजधानी में चेन छिनैती की घटना का त्वरित खुलासा करते हुए लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के थाना आलमबाग पुलिस और सर्विलांस टीम ने संयुक्त कार्रवाई में एक शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से दो घटनाओं से संबंधित चेन के टुकड़े तथा घटना में प्रयुक्त स्कूटी भी बरामद की है।यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त लखनऊ अमरेन्द्र सिंह सेंगर के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (मध्य) विक्रान्त वीर के पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त (मध्य) जितेन्द्र दुबे तथा सहायक पुलिस आयुक्त कैण्ट अभय प्रताप मल्ल के निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक राम बाबू सिंह, थाना आलमबाग के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम एवं सर्विलांस टीम द्वारा संयुक्त रूप से की गई।पुलिस के अनुसार 9 अप्रैल 2026 को दुर्गापुरी मेट्रो स्टेशन के पास ऑटो रिक्शा में यात्रा कर रही एक महिला के साथ चेन छिनैती की घटना हुई थी। पीड़िता नैला कुरील ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह ऑटो से आलमबाग की ओर जा रही थीं, तभी दुर्गापुरी मेट्रो स्टेशन के पास एक व्यक्ति ऑटो से उतरा और झपट्टा मारकर उनके गले से पीली धातु की चेन छीनकर पास में खड़ी स्कूटी से फरार हो गया। घटना के दौरान चेन का आधा हिस्सा टूटकर पीड़िता के पास ही रह गया था।घटना के बाद थाना आलमबाग पर मुकदमा पंजीकृत कर पुलिस ने जांच शुरू की। बरामदगी के आधार पर संबंधित मुकदमे में धाराओं की बढ़ोत्तरी करते हुए आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

मंदिर की दान पेटी तोड़कर चोरी करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी के रुपये व दान पेटी बरामद

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के थाना सुशान्त गोल्फ सिटी पुलिस ने मंदिर की दान पेटी तोड़कर चोरी करने की घटना का खुलासा करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने अभियुक्त के कब्जे से दान पेटी से चोरी किए गए रुपये तथा दान पेटी बरामद की है।पुलिस के अनुसार 16 अप्रैल 2026 को वादी रामभजूराय, निवासी आदर्श नगर नीलमथा, लखनऊ द्वारा थाना सुशान्त गोल्फ सिटी में लिखित तहरीर दी गई थी कि अभियुक्त दीपांशु उर्फ मोगली द्वारा शिव दुर्गा मंदिर हबीरपुर में रखी दान पेटी को तोड़कर उसमें रखे रुपये चोरी कर लिए गए। इस सूचना के आधार पर थाना सुशान्त गोल्फ सिटी में मुकदमा संख्या 230/2026 धारा 303(2)/317(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया गया।

गाजीपुर पुलिस ने 10 खोए मोबाइल बरामद कर स्वामियों को लौटाए

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। थाना गाजीपुर पुलिस की साइबर हेल्पडेस्क टीम ने सराहनीय कार्य करते हुए 10 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सुपुर्द किया। बरामद मोबाइल फोनों की कुल अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 90 हजार रुपये आंकी गई है।यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) के कुशल पर्यवेक्षण, अपर पुलिस उपायुक्त (पूर्वी) एवं सहायक पुलिस आयुक्त गाजीपुर के निर्देशन तथा प्रभारी निरीक्षक थाना गाजीपुर के नेतृत्व में की गई। थाना क्षेत्र के विभिन्न व्यक्तियों द्वारा खोए हुए मोबाइल फोनों के संबंध में दिए गए प्रार्थना पत्रों के आधार पर साइबर हेल्पडेस्क टीम ने तकनीकी माध्यम से मोबाइल फोन को ट्रेस किया।पुलिस के अनुसार टीम ने सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से मोबाइल फोनों की लोकेशन ट्रेस की, जो लखनऊ सहित अन्य जनपदों में पाई गई। साइबर टीम के अथक प्रयास, तकनीकी दक्षता एवं आपसी समन्वय से कुल 10 मोबाइल फोन बरामद कर थाना गाजीपुर पर मंगवाए गए तथा विधिवत उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिए गए।मोबाइल प्राप्त करने वाले नागरिकों में संजय सिंह, राहुल कश्यप, अनूप श्रीवास्तव, आदित्य यादव, सनी कश्यप, प्रियंका त्रिपाठी, प्रदीप कुमार यादव, दीपक कुमार लोधी, प्रहलाद प्रसाद तथा अजय कुमार शामिल रहे। सभी लाभार्थियों ने अपना खोया मोबाइल वापस पाकर प्रसन्नता व्यक्त की तथा पुलिस की तत्परता और कार्यशैली की सराहना की।बरामद किए गए मोबाइल फोन में वीवो, ओप्पो, रेडमी, रियलमी, सैमसंग, टेक्नो और इंफिनिक्स कंपनियों के विभिन्न मॉडल शामिल हैं। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक अभिषेक वर्मा, सहायक उपनिरीक्षक आमिर अली खान, कांस्टेबल गौरव शर्मा, कांस्टेबल अरविन्द यादव तथा महिला कांस्टेबल पूजा शर्मा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सीबीएसई दसवीं में एसकेडी एकेडमी का शत प्रतिशत परिणाम, यथार्थ कुशवाहा 98 .6 प्रतिशत के साथ अव्वल

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। एसकेडी एकेडमी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं परीक्षा 2026 में लगातार शत प्रतिशत परिणाम देकर सफलता का नया इतिहास रचा है। विद्यालय के छात्र यथार्थ कुशवाहा ने 98.6 प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान पाया।

दूसरे स्थान पर विनायक मिश्रा रहे जिन्होंने 97.8 प्रतिशत अंक प्राप्त किए, जबकि कनक सिंह 97.4 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। विद्यालय प्रशासन जुलाई माह में भव्य सम्मान समारोह में इन मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करेगा। सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय ईश्वर, माता पिता, प्रधानाचार्या, शिक्षकों और विद्यालय प्रबंधन को दिया। छात्रों ने बताया कि शिक्षकों के सुव्यवस्थित टिप्पणी पत्र, नियमित गृह कार्य और प्रभावी परीक्षा श्रृंखला उनकी सफलता का मुख्य आधार बने। एसकेडी शिक्षा समूह के निदेशक श्री मनीष सिंह ने कहा, 'यह परिणाम सभी के समर्पण और दल भावना का नतीजा है। मुझे विश्वास है कि ये विद्यार्थी भविष्य में देश और समाज का नाम रोशन करेंगे।' विद्यालय के अध्यक्ष श्री एसकेडी सिंह, उप निदेशिका श्रीमती निशा सिंह और सहायक निदेशिका शैक्षणिक श्रीमती कुसुम बत्रा ने भी छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आईसीएमआर ने किया पल्मोनरी विशेषज्ञ समिति का गठन, डॉ . सूर्यकान्त बनाए गए अध्यक्ष

» केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानन्द ने डॉ. सूर्यकान्त को दी बधाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) द्वारा वैश्विक स्वास्थ्य अनुसंधान गतिविधियों के अनुरूप एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए "चिकित्सा उपकरणों की प्राथमिकता सूची" तैयार करने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस दिशा में आईसीएमआर के महानिदेशक द्वारा 'पल्मोनरी विषय विशेषज्ञ समिति' का गठन किया गया है। इस समिति के अध्यक्ष के रूप में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त को नामित किया गया है। यह नियुक्ति उनके क्षेत्र में उत्कृष्ट अनुभव और विशेषज्ञता को दर्शाती है।

पल्मोनरी विशेषज्ञ समिति का उद्देश्य देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाना तथा आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है। डॉ. सूर्यकान्त के नेतृत्व में यह समिति देश के पल्मोनरी स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने की दिशा में कार्य करेगी। समिति की पहली बैठक 23 अप्रैल 2026 को वर्चुअल/हाइब्रिड माध्यम से आयोजित की जाएगी, जिसमें चिकित्सा उपकरणों की प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की जाएगी।

केजीएमयू की कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानन्द ने आईसीएमआर द्वारा गठित पल्मोनरी विशेषज्ञ समिति के अध्यक्ष बनाए जाने पर डॉ. सूर्यकान्त को बधाई दी। कुलपति ने विश्वास व्यक्त किया कि डॉ. सूर्यकान्त के नेतृत्व में यह पहल देश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने में नई दिशा प्रदान करेगी।

ज्ञात रहे कि पूर्व से ही डॉ. सूर्यकान्त आईसीएमआर की कई प्रोजेक्ट सेलेक्शन कमेटियों के भी अध्यक्ष हैं। आईसीएमआर द्वारा देशभर में टीबी के नए उपचार हेतु चलाए गए बीपाल प्रोजेक्ट के मुख्य पर्यवेक्षक भी रह चुके हैं। बीपाल प्रोजेक्ट की सफलता के बाद ही एमडीआर-टीबी के नए उपचार में नई दवाओं को शुरू किया गया है। इसके साथ ही वे कई चिकित्सकीय, शोध व सामाजिक समितियों के अध्यक्ष, सदस्य व सलाहकार भी हैं। ज्ञात रहे कि डॉ. सूर्यकान्त ने ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी के क्षेत्र में केजीएमयू के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग को अंतरराष्ट्रीय पहचान भी दिलाई है। रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग को विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरकुलोसिस द्वारा सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर ड्रग-रेजिस्टेंट टीबी केयर चुना गया है।

डॉ. सूर्यकान्त को विश्व के सर्वोच्च 2 प्रतिशत वैज्ञानिकों की श्रेणी में भी स्थान प्राप्त है। वे रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में लगभग 30 वर्षों से चिकित्सा शिक्षक, 21 वर्षों से प्रोफेसर व 15 वर्षों से विभागाध्यक्ष के पद पर सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। नई शिक्षा नीति की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने हिंदी में 100 पुस्तकें जारी कीं, जिनमें उन्होंने दो पुस्तकों "अस्थमा में योग की भूमिका" व "टीबी" में योगदान दिया है। इसके साथ ही उन्होंने चिकित्सा विज्ञान संबंधी विषयों पर अब तक 23 पुस्तकें भी लिखी हैं तथा एलर्जी, अस्थमा, टीबी एवं कैंसर के क्षेत्र में उनके लगभग 1000 से अधिक शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नल्स में प्रकाशित हो चुके हैं। साथ ही 2 अंतरराष्ट्रीय पेटेंट का भी श्रेय उन्हें जाता है।

उन्होंने 200 से अधिक मेडिकल पोस्टग्रेजुएट और शोध छात्रों के शोध कार्य का पर्यवेक्षण किया है और वे 30 पत्रिकाओं के संपादकीय/सलाहकार बोर्ड में शामिल हैं। साथ ही विभिन्न श्वसन रोगों पर अंतरराष्ट्रीय व भारतीय दिशानिर्देश तैयार करने वाली 26 समितियों में भी विशेषज्ञ के रूप में कार्य कर चुके हैं। एमबीबीएस और एमडी के अलावा उन्होंने 26 विषयों (जिनमें योग, नेचुरोपैथी, स्वास्थ्य शिक्षा और पोषण आदि शामिल हैं) में प्रशिक्षण, प्रमाणपत्र और डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी पूरे किए हैं। इसके साथ ही 22 फेलोशिप और 21 ओरेशन अवॉर्ड का भी श्रेय उन्हें जाता है। उन्हें अब तक अंतरराष्ट्रीय, राष्ट्रीय एवं प्रदेश स्तर की विभिन्न संस्थाओं द्वारा 200 से अधिक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. सूर्यकान्त कोविड टीकाकरण के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के ब्रांड एंबेसडर भी रह चुके हैं। वे पिछले 30 वर्षों से अधिक समय से अपने लेखों, वार्ताओं तथा टी.वी., रेडियो व सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों में टीबी एवं अन्य श्वसन संबंधी बीमारियों के प्रति जागरूकता फैला रहे हैं।

प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत योजना में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। डॉ. सूर्यकान्त राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम नॉर्थ जोन टास्क फोर्स के चेयरमैन के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में वे एम्स भुवनेश्वर की गवर्निंग बॉडी तथा इंडियन सोसाइटी फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर के एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य हैं। इसके साथ ही वे दो प्रमुख संस्थाओं पल्मोनरी रिहैबिलिटेशन सोसाइटी एवं स्नोरिंग एंड स्लीप रिलेटेड डिसॉर्डर्स सोसाइटी के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष भी हैं। साथ ही, वे अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना की इंस्टिट्यूट बॉडी एवं गवर्निंग बॉडी तथा राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर के बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट के सदस्य रह चुके हैं। इसके साथ ही वे इंडियन चेस्ट सोसाइटी, इंडियन कॉलेज ऑफ एलर्जी, अस्थमा एंड एप्लाइड इम्यूनोलॉजी एवं नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्ट फिजिशियन (एनसीसीपी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं। इसके अतिरिक्त वे इंडियन साइंस कांग्रेस एसोसिएशन के मेडिकल साइंस प्रभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष भी रह चुके हैं तथा आईएमए, लखनऊ के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश आईएमए एकेडमी ऑफ मेडिकल स्पेशलिटीज के चेयरमैन भी रह चुके हैं। साथ ही आईएमए-एएमएस के राष्ट्रीय वाइस चेयरमैन भी रह चुके हैं। वे इंडियन स्टडी अगेंस्ट स्मोकिंग के राष्ट्रीय महासचिव भी रह चुके हैं।

डॉ. सूर्यकान्त अकादमिक, रिसर्च और रोगियों की देखभाल के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में भी लगातार सक्रिय हैं। (केजीएमयू तत्कालीन, केजीएमसी) की पहली सामाजिक संस्था 'हरिओम सेवा केंद्र' की स्थापना उनके प्रयासों से 22 जून 1998 को हुई थी, जो आज तक केजीएमयू के गरीब मरीजों को दवाएं व अन्य सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध कराती है। इसके साथ ही वे एक दर्जन से अधिक सामाजिक संस्थाओं से भी जुड़कर व्यापक सामाजिक कार्य कर रहे हैं।

बैटल ऑफ बंगाल (पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव) में भाजपा और ममता की हर स्तर की लड़ाई

पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनाव, भारत के अन्य राज्यों के चुनावों की तरह नहीं बल्कि यह 1757 की प्लासी की लड़ाई की तरह है जब मु_ी भर क्लाइव की ब्रिटिश फौज ने तीन लाख की बंगाल के नबाब सिराजुद्दौला को हरा दिया था और मीर जाफर को बंगाल का नबाब बना दिया था। वर्तमान विधानसभा चुनाव,जो कई आयामों, स्तरों, उद्देश्यों,के लिए शाम दाम, दंड से लड़ी जा रही है। पूरा राज्य बंगाल मय समाचार पत्रों, दृश्य मीडिया के दो फाड़ हो गया है।एक भाग भाजपा के साथ है तो दूसरा तृणमूल कांग्रेस के साथ है।वाकी सीपीएम, कांग्रेस दूसरे दल, केवल औपचारिक भूमिका में है। जहां तृणमूल कांग्रेस ने एस आई आर का मुद्दा उठाया है वही भाजपा 15 साल की भ्रष्टाचार, हिंसा, घुसपैठ को मुख्य मुद्दा बना रही है।294 सदस्यीय विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होने है । लेकिन भारतीय जनता पार्टी को भी समझमे आ गया है कि यह चुनाव पूरे देश से भिन्न है।बस इतना समझ लो कि भाजपा की भवानीपुर की रैली में बैंड बजा रहे दल की भी उसी रात तृणमूल के लठैत से मार मार खूनी खेल खेला।यह एक बानगी है और यह उस पार्टी के खिलाफ हो रहा है जो देश पर शासन कर रही है।

पोस्टर वाला, टांगें वाला, माइक वाला जो भाजपा के काम कर रहा है उसे तृणमूल कांग्रेस का कोप का भाजन बनाना पड़ेगा।बंगाल का विधानसभा चुनाव इतना बोझिल है कि सर्वेक्षक भी हड़प्रभ है क्योंकि कोई भी मतदाता खुल कर अंकित नहीं कर रहा है।टाइम्स ऑफ इंडिया के शीतल पाल सिंह कहते हैं कि असम, केरल, पांडिचेरी की तरह मतदाता पश्चिमी बंगाल में बोल नहीं रहा है क्योंकि उसे अज्ञात भय है। संदीप घोषाल वीरभूमि में कपड़ा व्यापारी है लेकिन चुनाव की बात करने ही तैयार नहीं बस यह कहते हैं कि दीदी ही आएगा ।

तुड़मूल सरकार ने लोगों को अपनी चाल में ढाल दिया है।

भारतीय जनता पार्टी इस लड़ाई में सुबेदु अधिकारी को आगे कर चुनाव मैदान में है।आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिलीगुड़ी सभा कर रहे हैं और उनकी सभा में इतनी भीड़ है जो बता रही है कि पश्चिमी बंगाल में ज्वाला भभक रही है। लेकिन लोग बोलना नहीं चाहते हैं।

ममता बनर्जी ने एस आई आर को मुद्दा बनाया है और पूरे सूबे से 90 लाख मतदाता डिलीट कर दिया है।

कोलकाता में 11 विधानसभा क्षेत्र है जबकि ग्रेटर कोलकाता से या कहे अंग्रेजी पुरानी स्टेट में 107 सीट है 2021 में यहां पर 90 सीट ममता बनर्जी की तुड़मूल ने जीती थी और भारतीय जनता पार्टी को मात्र 15 सीट मिली थी सीपीएम कांग्रेस एक एक सीट पर जीती थी। अबकी बार भाजपा इस क्षेत्र से कुछ अच्छा स्कोर कर ना चाहती है। मालदा वीरभूमि, मेदिनीपुर, बांकुरा, चौबीस परगना, सहित अनेक जगह पर तुड़मूल, भाजपा में गजब की टक्कर है।

आजादी के बाद पश्चिमी बंगाल में विधान चंद्र राय कांग्रेस के दिग्गज नेता थे उन्होंने आजादी के आंदोलन बहुत ही सराहनीय काम किया।1977 तक कांग्रेस ही बंगाल की सत्ता में थी सिद्धार्थ शंकर राय मुख्यमंत्री रहे। आपातकाल के बाद हुए चुनावों में सीपीएम यानी लेफ्ट पार्टियों का समावेश हुआ और वे विधानसभा चुनाव में बहुमत लाने में सफल हुए। ज्योति बसु 27 वर्ष यानि 2000 तक मुख्यमंत्री रहे उनके बाद सीपीएम की विरासत बुद्धदेव भट्टाचार्य के हाथों में आई 2011 तक 10 वर्ष वह मुख्यमंत्री रहे।2011 तुड़मूल कांग्रेस ममता बनर्जी के नेतृत्व में सत्ता में बैठी है।

लेकिन अब सीपीएम, सीपीई, आरएसपी, कांग्रेस अपना अस्तित्व खो बैठी है।2021 से भारतीय जनता पार्टी मुख्य विपक्षी दल है। लोकसभा चुनाव 2024 में उत्तर बंगाल में भारतीय जनता पार्टी का बढ़त थी जबकि दक्षिण बंगाल तुड़मूल ने अधिकतर सीट जीती थी।

गैस की समस्या को सुलझाने का प्रयास

हरिशंकर व्यास

25 फीसदी उत्पादन बढ़ने का मतलब है कि भारत 10 फीसदी गैस और बनाने लगेगा। यानी उसके बाद भी 50 फीसदी गैस बाहर से आनी है।

पहले कुछ तथ्यों की बात कर लें। भारत अपनी जरुरत का 60 फीसदी गैस आयात करता है और 40 फीसदी अपने यहां बनाता है। भारत में जो गैस बनती है उसमें 25 से 28 फीसदी बढ़ोतरी करने के लिए सरकार की ओर से कहा गया है। 25 फीसदी उत्पादन बढ़ने का मतलब है कि भारत 10 फीसदी गैस और बनाने लगेगा। यानी उसके बाद भी 50 फीसदी गैस बाहर से आनी है। दूसरा तथ्य यह है कि भारत में गैस की स्टोरेज क्षमता बहुत कम है। मेंगलुरू और विशाखापत्तनम में दो स्टोरेज फैसिलिटी है, जिसमें 'इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक एक लाख 40 हजार टन गैस स्टोर करने की सुविधा है। उसी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रति दिन की गैस की खपत 80 हजार टन की है। इसका मतलब है कि भारत के पास कायदे से दो दिन की खपत के बराबर भी स्टोरेज नहीं है। तीसरा तथ्य यह है कि भारत में दो सौ से कुछ ज्यादा बोटलिंग प्लांट हैं, जहां गैस के सिलेंडर भरे जाते हैं। वहां भी स्टोरेज की बड़ी सुविधा नहीं है और इन टाइम आपूर्ति यानी तत्काल आपूर्ति की ही व्यवस्था है। इसलिए अगर संकट बढ़ता है, जंग लंबी चलती है और कच्चे तेल व गैस की आपूर्ति प्रभावित होगी। सोचें, कोरोना महामारी के समय जब गैस की कीमतें बढ़ीं उस समय चीन ने तेल और गैस के भंडारण की नई सुविधाएं विकसित की और सस्ता तेल व गैस खरीद कर जमा करना शुरू किया। वह 36 नई फैसिलिटी डेवलप कर रहा है, जहां गैस का भंडारण होगा। इसमें ज्यादातर फैसिलिटी समुद्र तटों पर नहीं है, बल्कि देश के अंदर है। इसी तरह वह सौ अरब गैलन से ज्यादा तेल स्टोर करने की फैसिलिटी विकसित कर रहा है। खैर उससे हमारा क्या मुकाबला? हम तो विश्वगुरू हैं!

अब यही हमलोगों की असली क्षमता की परीक्षा होनी है। अब दुनिया को यह दिखा देना होगा कि भारत विश्वगुरू है। इसके लिए गैस बनाने के नए रास्तों पर अमल शुरू करने का समय आ गया है। जैसे अमेरिका ने चट्टान से तेल निकाल लिया और अफ्रीकी देश डीप सी एक्सप्लोरेशन कर रहे हैं उसी तरह भारत को नालों से गैस बनाने और गाड़ियों के पहिए में भरी हवा से गैस बनाने के तरीके पर व्यापक रूप से अमल शुरू करना चाहिए। इससे भारत को अपनी सारी समस्या का समाधान मिल जाएगा। भारत में तो नाले ही नाले हैं। चारों तरफ नाले हैं और लगभग सभी नाले खुले हुए भी हैं। उनको शायद इसलिए भी नहीं ढका गया होगा कि पता नहीं कब इससे गैस बनाने की जरुरत आन पड़े। तमाम बड़े शहरों के बड़े नाले गंगा और यमुना जैसी नदियों में गिरते हैं और इन पवित्र नदियों की स्वच्छता में अपना योगदान देते हैं। इन तमाम बड़े बड़े नालों से गैस बनाई जा सकती है।

लोग यह सुन कर हंसने लगते हैं कि नाले से कैसे गैस बनेगी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खुद कहा था कि उन्होंने एक व्यक्ति को नाले की गैस से चाय बनाते देखा था। प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसा नहीं है कि यह बात किसी चुनावी रैली में कही थी। उन्होंने दिल्ली के विज्ञान भवन में 10 अगस्त 2018 को वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में तमाम विशेषज्ञों की मौजूदगी में कही थी और सबने इस पर तालियां बजाई थी। प्रधानमंत्री ने कहा था कि उन्होंने एक व्यक्ति को देखा, जिसकी दुकान नाले के बराबर में थी, उसने नाले से निकलने वाली गैस को इक_ा किया और उसे पाइप के जरिए अपनी दुकान में लाकर उसका इस्तेमाल चाय बनाने के लिए किया। जैसे ताली, थाली बजाने से पैदा हुई ऊर्जा से कोरोना खत्म होने या लॉकडाउन से कोरोना का सर्किल टूटने जैसे तर्क गढ़ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों को जस्टिफाई किया गया वैसे ही नाले की गैस से चाय बनाने की बात को भी बहुत से जानकारों ने जस्टिफाई किया कि नालों की मिथेन गैस का इस्तेमाल किया जा सकता है। हालांकि पता नहीं क्यों किसी ने इस पर प्रयोग करके गैस बनाना शुरू नहीं किया? अब समय आ गया है कि नालों से गैस बनाई जाए और उसका इस्तेमाल करके दुनिया को दिखाया जाए कि भारत विश्वगुरू है।

प्रधानमंत्री मोदी ने उसी वर्ल्ड बायोफ्यूल डे के कार्यक्रम में ही यह किस्सा भी सुनाया था कि एक बार वे गुजरात में अपने काफिले के साथ जा रहे थे तो उन्होंने देखा कि उनके काफिले के आगे एक व्यक्ति स्कूटर पर ट्रैक्टर का भरा हुआ ट्यूब लेकर जा रहा था। उन्होंने उसे रूकवा कर पूछा तो उस व्यक्ति ने बताया कि उसने अपने घर पर गोबर और कचरे से बनने वाला बायोगैस प्लांट लगा रखा है। वहां वह गैस बनाता है और उसे ट्रैक्टर के ट्यूब में भर कर अपने खेत पर ले जाता है, जहां उससे अपना पंप चला कर सिंचाई का काम करता है। अब पता नहीं इस तरह के प्लांट लगाने और इस तरह से ट्यूब में भर कर उसे लोगों के घरों तक या रीफीलिंग सेंटर्स या बोटलिंग प्लांट तक ले जाने का उपक्रम देश में क्यों नहीं किया गया? लेकिन अब उसका भी समय आ गया है। बाकी इस तरह से गैस बनाने और लोगों तक पहुंचाने के और भी मौलिक उपाय जरूर भारत के पास होंगे। उनका इस्तेमाल करके गैस की समस्या को सुलझाने का प्रयास करना चाहिए।

टिप्पणी

तजुर्बे को झेलना आसान नहीं

शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। ईरान का यह एलान चौंकाने वाला है कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में आखिर कैसे पहुंचा?

कोई देश अमेरिकी फॉर्मूले को ठुकरा कर युद्ध खत्म करने के लिए अपनी शर्तें पेश करे, दुनिया के लिए यह नया तजुर्बा है। खासकर शीत युद्ध की समाप्ति के बाद उभरी एक-ध्रुवीय दुनिया में ऐसी मिसाल ढूंढे नहीं मिलेगी। इसीलिए ईरान का यह एलान चौंकाने वाला साबित हुआ कि वह अपनी शर्तों और अपने चुने हुए समय पर लड़ाई रोकेगा। ईरान ऐसा करने की स्थिति में पहुंचा, तो उसकी संभवतः तीन वजहें हैं। एक तो वहां का नेतृत्व मरने-मारने की मनोदशा में है, दूसरे डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने जारी वार्ता के बीच दो बार हमले कर अपनी साख गंवा दी है, और तीसरे लगभग चार हफ्तों में ईरान ने युद्ध की कथा बदल डाली है।

ईरान की जबरदस्त बर्बादी एक तथ्य है। अमेरिका के मुताबिक उसने लगभग दस हजार ईरानी ठिकानों पर बमबारी की है। मगर लड़ाई का एक दूसरा पक्ष भी है। अमेरिका के एक प्रमुख अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान ने खाड़ी देशों में अमेरिका के 13 सैनिक अड्डों को इस तरह तबाह किया है कि वहां किसी का रहना संभव नहीं रह गया है। एक अन्य रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान लगभग 20 अमेरिकी लड़ाकू विमान या तो नष्ट कर दिए गए या वे क्षतिग्रस्त हुए हैं। इनमें अमेरिका का सबसे आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-35 भी है। इसी तरह अमेरिका के बहुचर्चित बेड़े अब्राहम लिंकन और जेराल्ड फोर्ड पर ईरान ने मिसाइलें दागीं, जिनसे उन्हें नुकसान होने की चर्चा रही है।

इस बीच इजराइल के अंदर ईरानी मिसाइलों ने अंदर तक घुस कर मार की है। ऐसे में नए ईरानी नेतृत्व का आकलन संभवतः यह है कि जमीनी हमले की तैयारी के साथ-साथ अमेरिका युद्धविराम का फॉर्मूला भी भेज रहा है, तो उस पर यकीन नहीं किया जा सकता। फिर, जब युद्ध में ईरान को अपने सर्वोच्च नेतृत्व को गंवाने से लेकर जान-माल की व्यापक क्षति झेलनी पड़ी है, तो पुराने मुद्दों और उन्हीं अमेरिकी शर्तों पर फिर बात करने का कोई तुक नहीं रह जाता। तो ईरान ने अमेरिकी फॉर्मूला ठुकरा दिया है। अमेरिकी शासक वर्ग के लिए इस तजुर्बे को झेलना आसान नहीं होगा।

ब्लॉग

आखिरकार सुनी गई आधी आबादी की आवाज़

आर. विमला, आईएएस

जब महिलाएँ सशक्त होती हैं, तो भारत मजबूत होता है। घर की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज़ तक, यह एक नए और आत्मविश्वास से भरे भारत की परिकल्पना है। — प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत की महिलाएँ सदैव महान कार्यों में सक्षम रही हैं। वैदिक काल में गार्गी और मैत्रेयी ने बड़े-बड़े दार्शनिकों को निरुत्तर कर दिया था। पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर ने जिस न्यायपूर्ण तरीके से अपने राज्य का शासन चलाया, उसकी बराबरी उनके समकालीन शासक नहीं कर सके। रानी लक्ष्मीबाई साहस की एक अमर मिसाल बन गईं। फिर भी, स्वतंत्र भारत—जो समानता के सिद्धांत पर आधारित एक संवैधानिक गणराज्य है ने इन महान महिलाओं की उत्तराधिकारियों को अपनी विधायिकाओं में शायद ही कोई जगह दी। पहली लोकसभा में महिला सदस्यों की संख्या मात्र 4.4 प्रतिशत थी। सात दशक बाद, 17वीं लोकसभा में भी यह आंकड़ा बढ़कर केवल 14.4 प्रतिशत तक ही पहुँच पाया। व्यक्तिगत प्रतिभा ने तो अपनी जगह बना ली थी, लेकिन व्यवस्थागत बदलाव अभी भी नहीं आया था। असल में, महिलाएं अपने ही लोकतंत्र में एक तरह से मेहमान बनकर ही रह गईं।

हमारे संविधान ने पहले ही दिन से यह स्वीकार किया था कि जब सदियों से ढांचागत विसंगतियां जड़ जमाए बैठी हों, तो केवल औपचारिक समानता पर्याप्त नहीं होती। संरक्षणात्मक भेदभाव के सिद्धांत के तहत अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और बाद में पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित की गईं। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था सफल रही है: 24 मार्च 2026 तक, निर्वाचित पंचायत प्रतिनिधियों में से लगभग 49.75 प्रतिशत महिलाएँ हैं। जिन जगहों पर महिलाएँ शासन करती हैं, वहाँ पानी की आपूर्ति सुचारू होती है, साफ़-सफ़ाई की स्थिति बेहतर होती है और लड़कियाँ स्कूल जाना जारी रखती हैं। इसके बावजूद, संसद में भी इसी सिद्धांत को लागू करने के उद्देश्य से जो विधेयक पेश किए गए थे, वे राजनीतिक इच्छाशक्ति के अभाव में दशकों तक बार-बार निष्प्रभावी होते रहे।

वह क्षण जिसने सब कुछ बदल दिया -

वह अधूरी कड़ी 19 सितंबर 2023 को पूरी हुई। भारत के नए संसद भवन में आयोजित कामकाज के पहले ही सत्र में, नारी शक्ति वंदन अधिनियम को संसद के दोनों सदनों में, प्रत्येक राजनीतिक दल के सर्वसम्मत समर्थन से पारित किया गया। हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विधेयक पेश करते हुए दोनों सदनों को बतायाः यह कानून केवल एक कानून नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक भारतीय महिला की शक्ति, त्याग और सामर्थ्य के प्रति एक श्रद्धांजलि है।

यह अधिनियम लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करता है, जिसमें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं के लिए उप-कोटा भी शामिल है। नए संसद भवन का यह पहला अधिनियम होना अपने आप में एक घोषणा थीः अमृत काल के लोकतंत्र की संरचना पूरे भारत के लिए और सभी की भागीदारी के साथ निर्मित की जाएगी।

इस अधिनियम में बदलाव लाने की अपार क्षमता है, क्योंकि इसके लागू होने से संसद में महिला सदस्यों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। महिला विधायक निरंतर स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं—ये वही क्षेत्र हैं, जहाँ भारत में लैंगिक असमानता सबसे अधिक है। एक ऐसी संसद, जिसमें एक-तिहाई सदस्य महिलाएँ होंगी, वह अलग तरह के प्रश्न पूछेगी और अलग तरह के विचार सुनेगी। इससे भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में सुधार होगा, न कि केवल उसकी बाहरी छवि में।

हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा यह समझा है कि ज़मीनी स्तर पर सशक्तिकरण के बिना राजनीतिक सशक्तिकरण खोखला होता है। उनके द्वारा शुरू की गई यह यात्रा अत्यंत बुनियादी गरिमा से लेकर सर्वोच्च लोकतांत्रिक भागीदारी तक एक सुविचारित पथ पर आगे बढ़ती है। इसकी शुरुआत एक शौचालय से हुई। स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए 10 करोड़ घरेलू शौचालयों ने उन महिलाओं को सुरक्षा और आत्म-सम्मान लौटाया, जिन्हें लंबे समय से इन दोनों से वंचित रखा गया था। जल जीवन मिशन ने 15 करोड़ से ज़्यादा ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुँचाया। महिलाओं को मीलों पैदल चलकर पानी ढो कर लाने से मुक्ति मिली जिससे उनका सुबह का कीमती समय जाया हो जाता था। 'पीएम उज्ज्वला योजना' के 10.56 करोड़ एलपीजी कनेक्शनों ने महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से मुक्ति दिलाई। पीएम आवास योजना के तहत महिलाओं के नाम पर घर बनाए गए। 55 प्रतिशत से अधिक महिलाओं के स्वामित्व वाले जन धन खातों ने उन्हें आर्थिक स्वतंत्रता प्रदान की। मुद्रा योजना के ऋण, स्वयं सहायता समूह, लखपति दीदी, सखी, वन स्टॉप सेंटर और तीन तलाक का उन्मूलनः प्रत्येक योजना उसी सीढ़ी का अगला पायदान थी, जो उन्हें केवल गुज़ारा करने की स्थिति से गरिमा की ओर, गरिमा से सामर्थ्य की ओर, और सामर्थ्य से नेतृत्व की ओर निरंतर बढ़ाती गई।

भारत को नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तुरंत लागू करने की आवश्यकता है। यह हमारे दौर के सबसे अधिक परिवर्तनकारी संभावित सुधारों में से एक है। महिलाओं के विधायी प्रतिनिधित्व को बढ़ाकर, यह हर स्तर पर नीति-निर्माण में उनकी भागीदारी को बढ़ाएगाः चाहे वे बजट हों जो मातृ स्वास्थ्य के लिए धन उपलब्ध कराते हैं, वे कानून हों जो पीड़ितों की रक्षा करते हैं, या वे नीतियां हों जो लड़कियों को स्कूल में बनाए रखती हैं और उनकी शिक्षा को बढ़ावा देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विकसित भारत (2047 तक एक विकसित भारत) का दृष्टिकोण इस दृढ़ विश्वास पर आधारित है कि कोई भी राष्ट्र अपनी पूरी क्षमता तक तब तक नहीं पहुँच सकता, जब तक उसके आधे नागरिक उन जगहों से बाहर रहें जहाँ सत्ता का संचालन होता है। जैसा कि उन्होंने हमेशा कहा हैः भारत तभी एक विकसित राष्ट्र बनेगा जब इसकी महिलाएँ न केवल अपने घरों में, बल्कि अपनी संसद में भी पूरी तरह सशक्त होंगी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भारतीय महिलाओं के लिए कुछ नया सृजन नहीं करता है। इसने उस विद्वत्ता, साहस और नेतृत्व करने की इच्छाशक्ति के लिए एक संस्थागत स्थान सुनिश्चित कर दिया है, जो महिलाओं में पहले से ही मौजूद है।

शौचालय की गरिमा से लेकर संसद में समान आवाज़ तक, यह मात्र एक विधायी यात्रा नहीं है। यह एक ऐसे राष्ट्र की कहानी है जिसने अंततः पूर्णता की ओर बढ़ने का निर्णय लिया है।

आधी आबादी को आखिरकार सुना गया। नज़रिया साफ़ है। ये मुहीम जारी रहेगी।

(लेखिका महाराष्ट्र सरकार में रेजिडेंट कमिश्नर एवं सचिव पद पर कार्यरत हैं और आईआईटी बॉम्बे से पीएचडी कर रही हैं)

धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत कराई जा रहीं झूठी एफआईआर... इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा- ये ट्रेंड चिंताजनक

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। हाई कोर्ट ने एक सुनवाई के दौरान राज्य में 'उत्तर प्रदेश का गैरकानूनी धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम, 2021' के तहत गलत FIR दर्ज कराए जाने की बढ़ती घटना पर चिंता जताई और कहा कि ये ट्रेंड चिंताजनक है। कोर्ट ने यह देखते हुए कि 2021 में बने इस कानून के तहत "धड़ाधड़" FIR दर्ज कराई जा रही है, जो बाद में गलत साबित होती है।

साथ ही कोर्ट ने राज्य के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को निर्देश दिया कि वे निजी तौर पर हलफनामा (Personal Affidavit) दायर कर बताएं कि ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई की जा रही है। जस्टिस अब्दुल मोइन और जस्टिस प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने सोमवार को सुनवाई के दौरान यह आदेश सुनाया। कोर्ट मोहम्मद

फैजान और अन्य की ओर से दाखिल एक आपराधिक रिट याचिका पर सुनवाई कर रहा था।

18 साल की बेटी पर धर्म बदलने का दबाव

याचिकाकर्ताओं ने बहराइच जिले के एक पुलिस थाने में दर्ज FIR को रद्द करने की मांग की थी। इस FIR के तहत यह आरोप लगाया गया था कि याचिकाकर्ता और अन्य लोग, शिकायतकर्ता की 18 साल बेटी को बहला-फुसलाकर ले गए थे। यह दावा किया गया कि याचिकाकर्ता शिकायतकर्ता की बेटी का धर्म बदलने और उस पर शादी करने के लिए दबाव डालने की कोशिश करेंगे।

हालांकि, बेंच को पीड़िता के उस बयान के बारे में भी बताया गया, जिसे BNSS की धारा 183 के तहत दर्ज किया गया था। इसमें पीड़िता ने कहा था कि वह पिछले 3 सालों से याचिकाकर्ता के साथ आपसी सहमति से बने रिश्ते में थी। साथ ही उसने धर्म परिवर्तन, जबरन शादी या शारीरिक संबंधों के किसी भी आरोप से भी इनकार किया। असल में, कथित पीड़िता ने यह भी कहा कि वह याचिकाकर्ता के साथ रहना चाहती है और उसने प्रार्थना की कि हिंदू संगठनों के सदस्य उसे या उसके रिश्तेदारों को परेशान न करें।

बेंच ने आगे यह भी पाया कि पीड़िता के बयान से स्थिति साफ होने के बावजूद, जांच अधिकारी ने सिर्फ रेप का आरोप (BNS की धारा 69) हटाया। जिसे हाई कोर्ट ने एक "अजीब मोड़" करार दिया, उसमें जांच अधिकारी ने BNS के तहत अपहरण और हमले के आरोपों के साथ-साथ धर्मांतरण विरोधी कानून की कई धाराओं के तहत भी जांच जारी रखने का फैसला किया।

पीड़िता के बयान के बाद जांच का कोई मतलब नहीं

कोर्ट ने सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की कि जब पीड़िता के बयान ने FIR के आरोपों को खुले तौर पर झूठा साबित कर दिया था, तो इस मामले में आगे की जांच का कोई मतलब ही नहीं था।

इस तरह के झूठे मामलों की बढ़ती संख्या को लेकर कोर्ट ने "परेशान करने वाले चलन यानी disturbing trend पर भी गौर किया, जिसमें 2021 के कानून के तहत तीसरे पक्षों द्वारा FIR दर्ज किए जाने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में 2025 के मामले राजेंद्र बिहारी लाल बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य में भी इसी तरह का ट्रेंड दिखा था।

19 मई तक हलफनामा दाखिल करें मुख्य सचिव

इस मामले पर सख्त रुख अपनाते हुए, हाई कोर्ट ने शिकायतकर्ता कथित पीड़िता के पिता को अगली सुनवाई की तारीख पर निजी तौर पर पेश होने का निर्देश दिया, ताकि वे यह बता सकें कि "पूरी तरह से झूठी, मनगढ़ंत और बेबुनियाद FIR" दर्ज कराने के लिए उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए। साथ ही कोर्ट ने उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त मुख्य सचिव (गृह) को भी ऐसे बेबुनियाद मामलों के संबंध में की जा रही कार्रवाई के बारे में स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया। उन्हें हलफनामा 19 मई तक दाखिल करना होगा।

अगर वह ऐसा न कर पाते हैं तो उन्हें कोर्ट की मदद के लिए जरूरी रिकॉर्ड के साथ निजी रूप से पेश होना होगा। इस बीच, कोर्ट ने याचिकाकर्ताओं की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है और राज्य सरकार को आदेश दिया कि वह 3 दिनों के भीतर याचिकाकर्ताओं, पीड़ित और उसके परिवार के सदस्यों को पर्याप्त सुरक्षा मुहैया कराए।

ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा का आरोप

जौनपुर। सिरकोनी ब्लॉक के बदलपुर गांव में ग्राम सभा की बंजर जमीन पर एक अधिवक्ता ने अवैध कब्जा कर लिया है।गुरुवार को ग्राम प्रधान संजय सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने उक्त अधिवक्ता पर सरकारी संपत्ति पर कब्जा करने,फर्जी दस्तावेज बनाने और धमकाने का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी डॉ दिनेश चंद्र शिकायत की है। बदलपुर गांव निवासी ग्रामीणों ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव के गाटा संख्या 276 की बंजर भूमि पर सुजीत कुमार यादव पुत्र श्यामनाथ यादव ने अवैध कब्जा कर निर्माण कर लिया है। यह भूमि ग्राम सभा की है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, आरोपी सुजीत कुमार यादव पेशे से अधिवक्ता हैं और कानून का दुरुपयोग कर रहे हैं। उन पर ग्रामीणों की जमीनों पर भी फर्जी कागजात बनाकर कब्जा जमाने का आरोप है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सुजीत कुमार यादव उन्हें घरों को गिराने की धमकी दे रहे हैं और नए निर्माण में बाधा डाल रहे हैं।

राम विवाह की कथा सुन भाव विभोर हुए श्रोता

आर्यावर्त संवाददाता

लम्भुआ/सुल्तानपुर। स्थानीय क्षेत्र के चौकिया गाँव में नव दिवसीय संगीतमयी श्रीराम कथा के पांचवे दिन कथा आचार्य पंडित राकेश जी महराज ने भगवान राम विवाह का मधुर वाचन किया। गुरु वशिंष्ठ के साथ राम लक्मण का राजा जनक के यहाँ आयोजित धनुष यज्ञ में भाग लेने जाने की कथा का वर्णन किया। माता जानकी के गौरी पूजन के समय प्रभु राम के मोहक स्वरुप का सखियों द्वारा बताये जाने का महराज जी विस्तार से व्याख्या की। कथा क्रम को आगे बढ़ाते हुए महराज जी ने कहाँ की सब राजकुमारो और राजा के धनुष उठा पाने में असमर्थ रहने और और राजा जनक की पीड़ा देख गुरु के आदेश पर राम चंद्र जी ने एक झटके में धनुष को खंडित कर मिथिलाधीश की चिंता का निवारण किया। रामकथा वेत्ता राकेश जी द्वारा ऋषि परशुराम के क्रोध और भगवान राम के विनय का

रोचक वर्णन किया। कथा के बाद राम विवाह के उत्सव का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओ ने माँ जानकी के पाव का पूजन किया गया। आचार्य धन्यजय जी ने विवाह गीत की सुन्दर प्रस्तुति की।

मुख्य यजमान राम जन पाण्डेय और विमला देवी द्वारा आरती की गई।राम कथा में मुख्य रूप से लम्भुआ विधानसभा केपूर्व विधायक देवमणि दुबे, माताप्रसाद सिंह सत्य नारायण दुबे बालमुकुंद विश्वकर्मा लाल साहब बृज मोहन सिंह कमलाकांत पाण्डेय, राम चंद्र सिंह, माता प्रसाद सिंह, राम कृष्ण पाण्डेय, प्रभव पाण्डेय,अनय पाण्डेय अवनीश सिंह समेत बड़ी सख्या में कथा प्रेमी मौजूद थे।

सोशल मीडिया, ब्रेनवॉश... कैसे संदिग्ध हैंडलर के संपर्क में आया अबु बकर, आतंकी कनेक्शन पर पिता क्या बोले?

आर्यावर्त संवाददाता

वाराणसी। वाराणसी के आदमपुर थाना क्षेत्र के पठानी टोला इलाके में रहने वाले डॉक्टर आरिफ अंसारी के घर बीते मंगलवार को उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र एटीएस की टीम आईबी अधिकारियों के साथ पहुंची थी। टीम ने उनके 18 वर्षीय बेटे अबु बकर अंसारी से संदिग्ध आतंकी कनेक्शन को लेकर करीब 8 घंटे तक पूछताछ की। इस मामले में अब डॉक्टर आरिफ अंसारी पहली बार सामने आए हैं। उन्होंने पूरे मामले पर अपना पक्ष रखा है। टीवी 9 डिजिटल से बातचीत में डॉ। आरिफ अंसारी ने बताया कि उनका बेटा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव था। इसी दौरान उसने कुछ संदिग्ध हैंडल से किए गए पोस्ट को लाइक किया और उन पर चैट भी की। इसी आधार पर जांच एजेंसियां उनके घर पहुंचीं। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूछताछ केवल उनके बेटे से हुई और परिवार के किसी अन्य सदस्य से कोई

सवाल-जवाब नहीं किया गया।

22 अप्रैल को मुंबई में फिर होगी पूछताछ

उन्होंने बताया कि पूछताछ के बाद एजेंसियां अबु बकर के दो मोबाइल फोन और एक लैपटॉप अपने साथ ले गईं। डॉक्टर अंसारी के मुताबिक, उनके बेटे को आगे की पूछताछ के लिए 22 अप्रैल को मुंबई बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान एजेंसियों का व्यवहार पूरी तरह पेशेवर और सहयोगात्मक रहा।

बेटे के ब्रेनवॉश का प्रयास

डॉक्टर आरिफ अंसारी ने बताया कि उनका बेटा इसी साल 18 वर्ष का हुआ है और फिलहाल नीट परीक्षा की तैयारी कर रहा है। पिछले कुछ महीनों से वह मानसिक तनाव और डिप्रेशन से गुजर रहा था।उनके अनुसार, नवंबर से फरवरी के बीच अबु बकर काफी ज्यादा डिप्रेस्ड था और दवाइयां भी ले रहा था। इसी दौरान वह सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा एक्टिव हो गया। डॉक्टर अंसारी का मानना है कि उसी समय वह गलत लोगों या संदिग्ध हैंडलर के संपर्क में आया होगा। उन्होंने बेटे के ब्रेनवॉश की भी आशंका जताई है। उन्होंने बताया कि 4 मार्च के बाद से उसने सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बना ली थी।

धार्मिक कट्टरता से कोई संबंध नहीं

बेटे के धार्मिक रुझान को लेकर पूछे गए सवाल पर डॉक्टर अंसारी ने साफ कहा कि अबु बकर किसी तरह के कट्टर धार्मिक विचार वाला नहीं है।उन्होंने बताया कि वह नमाज जरूर पढ़ता है, लेकिन उसका माइंडसेट धार्मिक कट्टरता वाला नहीं है। दोनों बच्चों को कभी मदरसे में नहीं भेजा गया और उनकी पढ़ाई शहर के नामी कॉन्वेंट स्कूलों से हुई है। अबु बकर ने नीट की तैयारी के लिए एक साल कोचिंग भी ली थी और ऑनलाइन पढ़ाई कर रहा है। घर पर अरबी सिखाने के लिए एक आलिम रखा गया है, जिससे वह थोड़ी-बहुत अरबी जानता है, लेकिन उर्दू बिल्कुल नहीं जानता।

अकेलापन बना बड़ी वजह

डॉक्टर अंसारी ने बातचीत में कहा कि उनके बेटे का कोई खास फ्रेंड सर्किल नहीं है और वह अपनी भावनाएं किसी से साझा नहीं करता। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उनके और बेटे के बीच कम्युनिकेशन गैप रहा है। उनका कहना है कि अगर बेटा खेलकूद और सामाजिक गतिविधियों में शामिल रहता, तो शायद परिवार को आज यह दिन नहीं देखना पड़ताच। अकेलेपन की वजह से वह सोशल मीडिया पर जरूरत से ज्यादा समय बिताने लगा, जो इस स्थिति की बड़ी वजह बना।

डॉक्टर ने कहा- एजेंसियों पर है पूरा भरोसा

डॉक्टर अंसारी ने जांच एजेंसियों पर पूरा भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि वह 1995 बैच के एमबीबीएस डॉक्टर हैं और हनुमान फाटक क्षेत्र में उनकी क्लिनिक है। अपने लंबे करियर में उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनके परिवार को ऐसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा।

उन्होंने सरकार से अपील की है कि बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने के लिए सख्त प्रावधान किए जाएं। उन्होंने कहा कि अगर मेरा बेटा सोशल मीडिया पर इतना एक्टिव नहीं रहता, तो शायद आज हालात कुछ और होते।

चिल्ड्रेन स्कूल के छात्र-छात्राओं का परचम, बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। बल्दीराय के रसूलपुर स्थित सीबीएसई बोर्ड से संचालित रामरती मेमोरियल चिल्ड्रेन स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों की सफलता ने क्षेत्र में खुशी का माहौल बना दिया है।

विद्यालय के मेधावी छात्र-छात्राओं में करन वर्मा ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं साक्षी ने 90.6 प्रतिशत, अंशुमान मौर्य ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इसके अलावा विभा श्रीवास्तव (88þ), अभिषेक मौर्य (86.6þ), आलोक विश्वकर्मा (86.2þ), अभिषेक यादव (86.2þ), मिर्जा अहजम बेग (81.2þ), सकीबुल हसन (80.6þ) तथा सृष्टि यादव (79.6þ) ने भी उत्कृष्ट अंक हासिल कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रबंधक विक्रम सिंह, शिक्षक शिवप्रताप सिंह, प्रधानाचार्या सरला सिंह सौरभ सिंह प्रगति सिंह एवं अन्य शिक्षक-शिक्षिकाओं ने छात्र-छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कानपुर पुलिस में मानदेय घोटाला! 4 बाबू सस्पेंड, 71 पुलिसकर्मियों से होगी 2 .88 लाख की वसूली

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में मानदेय भुगतान को लेकर एक बड़ा घोटाला सामने आया है, जिसके बाद विभाग में हड़कंप मच गया है। मामले में कार्रवाई करते हुए चार बाबुओं (क्लर्क) को सस्पेंड कर दिया गया है, जबकि कई पुलिसकर्मी जांच के दायरे में आ गए हैं। जानकारी के मुताबिक, 71 पुलिसकर्मियों-जिनमें इंस्पेक्टर, दारोगा और कांस्टेबल शामिल हैं, को एक महीने का अतिरिक्त मानदेय नियमों के विपरीत दे दिया गया। जांच में यह भी सामने आया कि कुछ पुलिसकर्मियों को अवकाश पर रहने के बावजूद पूरा मानदेय भुगतान किया गया।

इस गड़बड़ी के बाद पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने सख्त रुख अपनाते हुए चार बाबुओं को निलंबित कर दिया है। साथ ही 71

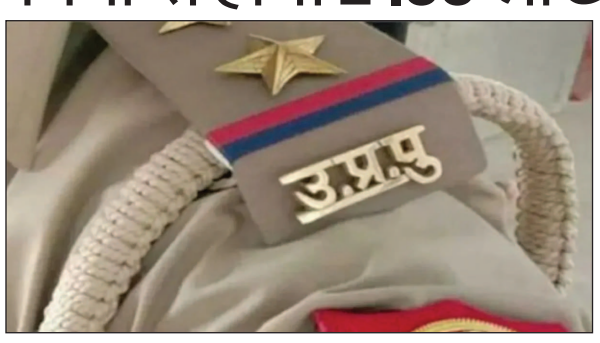

पुलिसकर्मियों को नोटिस जारी कर कुल 2।88 लाख रुपए की वसूली उनके वेतन से करने के आदेश दिए गए हैं। जॉइंट पुलिस कमिश्नर (क्राइम एवं मुख्यालय) संकल्प शर्मा ने बताया कि नियमों के अनुसार राजपत्रित पुलिसकर्मियों को महीने के दूसरे शनिवार और रविवार को कार्य करने पर अतिरिक्त मानदेय दिया जाता है, लेकिन यदि कोई कर्मचारी इस अवधि में अवकाश पर रहता है तो उसके मानदेय में कटौती की जानी चाहिए।

छुट्टी के दिनों का भी वेतन दे दिया गया

जांच में सामने आया कि वित्तीय वर्ष के दौरान कई पुलिसकर्मियों के अवकाश के दिनों में कटौती नहीं की गई और उन्हें पूरा भुगतान कर दिया गया। इस मामले में अकाउंट विभाग की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। प्राथमिक जांच में दारोगा भूपेंद्र कुमार सिंह, दारोगा पवन कुमार गुप्ता, हेड कांस्टेबल दिनेश कुमार और कांस्टेबल हरिशंकर की जिम्मेदारी तय की गई है। वहीं, मामले की विस्तृत रिपोर्ट तीन दिन में तलब की गई है।

48 पुलिसकर्मियों का वेतन रोका गया

इसके अलावा सभी डीसीपी, एडीसीपी, एसीपी और थानों में मानदेय भुगतान की व्यापक जांच के आदेश दिए गए हैं। निलंबित कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने साफ कहा है कि इस तरह की अनियमितता करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल इस जांच के चलते 48 पुलिसकर्मियों का वेतन भी रोक दिया गया है।

ग्राम भारती के बच्चों ने सीबीएसई बोर्ड मे लहराया परचम

आर्यावर्त संवाददाता

धम्मौर/सुलतानपुर। सरस्वती शिक्षा मंदिर ग्राम भारती के छात्रों ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणाम में छात्रा कृतिका सिंह ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं उज्जवल यादव ने 93 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरा स्थान पाया। छात्र रुद्र प्रताप सिंह ने 91 प्रतिशत अंक हासिल कर तीसरा स्थान प्राप्त किया। विद्यालय के 22 छात्र-छात्राओं ने 80 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर विद्या भारती के संगठन मंत्री हेमचंद्र व डा० डा० राम मनोहर जी, प्रदेश निरीक्षक राज बहादुर दीक्षित के साथ ही परतोष चौकी प्रभारी विपिन बिहारी सिंह व प्रधानाचार्य विवेक शर्मा ने सफल छात्र-छात्राओं को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। उन्होंने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी इसी तरह मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षकगण, अभिभावक एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश में 45 डिग्री वाला टॉर्चर! ये जिला सबसे गर्म... अगले तीन दिन कैसा रहेगा मौसम?

आर्यावर्त संवाददाता

नोएडा। यूपी में मौसम में यू-टर्न ले लिया है। गर्मी ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। अधिकतम तापमान करीब 45 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच गया है। दिन में तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों को बेहाल कर दिया है। बुधवार को बांदा प्रदेश का सबसे गर्म वाला जिला रहा। अधिकतम तापमान 44।8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रदेश के 15 जिलों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार रहा।

मौसम विभाग के अनुसार बुंदेलखंड के बांदा, झांसी, महोबा, चित्रकूट और आसपास के जिलों में गर्मी का असर सबसे ज्यादा देखने को मिल रहा है। वहीं दक्षिणी यूपी के कई जिलों में भी पारा तेजी से बढ़ रहा है। लखनऊ समेत प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों में गर्मी और बढ़ने की संभावना जताई गई है।

क्यों बढ़ रहा अचानक तापमान?

मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में एंटी-साइक्लोनिक सिस्टम और शुष्क हवाओं के कारण तापमान में अचानक बढ़ोतरी हो रही है। तेज धूप के कारण बुधवार को सड़कों पर आवाजाही कम देखने को मिली और लोग धूप से बचते नजर आए। आज यूपी में बारिश की संभावना नहीं है।

लखनऊ में 45 डिग्री सेल्सियस पहुंच सकता है पारा

राजधारी में भी गर्मी का कहर जारी है। IMD ने आने वाले दिनों में तापमान में बढ़ोतरी की संभावना जताई है। लखनऊ का तापमान आने वाले दिनों में 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं और इस दौरान हीटवेव का भी असर रहेगा। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 4 बजे के बीच घरों से बाहर न निकलने की सलाह की है।

किन जिलों में रहा कितना अधिकतम तापमान?

बाराबंकी – 40 डिग्री सेल्सियस
हरदोई – 39.5 डिग्री सेल्सियस
कानपुर – 40.4 डिग्री सेल्सियस
इटावा – 37.6 डिग्री सेल्सियस
गोरखपुर – 39.7 डिग्री सेल्सियस
वाराणसी एपी – 40.5 डिग्री सेल्सियस
वाराणसी बीएचयू – 42.8 डिग्री सेल्सियस
बलिया – 40 डिग्री सेल्सियस
बराईच – 40 डिग्री सेल्सियस
प्रयागराज – 43 डिग्री सेल्सियस
बांदा – 44.8 डिग्री सेल्सियस
सुल्तानपुर – 42.3 डिग्री सेल्सियस
अयोध्या – 39.5 डिग्री सेल्सियस
गाजीपुर – 41 डिग्री सेल्सियस
आजमगढ़ – 40.5 डिग्री सेल्सियस
झांसी – 41.4 डिग्री सेल्सियस
उरई – 40.2 डिग्री सेल्सियस
हमीरपुर – 41.2 डिग्री सेल्सियस
शाहजहांपुर – 39.0 डिग्री सेल्सियस
बुलंदशहर – 38 डिग्री सेल्सियस

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से लोकतंत्र होगा मजबूत

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के समर्थन में भाजपा कार्यालय पर विधानसभा स्तरीय नारी सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, सम्मान और राजनीतिक भागीदारी को सशक्त बनाने के प्रति जागरूकता फैलाना था। भारतीय जनता पार्टी ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम किया है।उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख किया, जिन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनमें उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना और मातृत्व वंदना योजना जैसी पहलें

शामिल हैं, जो महिलाओं के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध हुई हैं। प्रधानमंत्री द्वारा नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर एक विशेष सत्र बुलाया गया है। यह कदम महिला सशक्तिकरण के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को विधायिका में उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा, जिससे लोकतंत्र और अधिक मजबूत होगा। इस मौके पर शशि मौर्य,सीमा प्रजापति,आशा प्रमिला समेत सैकड़ों महिला शक्ति उपस्थित रही।

सुबह उठते ही चाय पीना क्यों हो सकता है नुकसानदायक?

सुबह उठते ही चाय पीना बहुत से लोगों की रोजमर्रा की आदत बन चुकी है लेकिन यह आदत सेहत पर बुरा असर डालती है। चाय को किस समय पिया जा रहा है, यह बात बेहद मायने रखती है। आयुर्वेद और विज्ञान दोनों का कहना है कि खाली पेट चाय पीना धीरे-धीरे कई छोटी-बड़ी परेशानियों की वजह बन सकता है, जिन पर आमतौर पर लोग ध्यान नहीं देते। आयुर्वेद के अनुसार, सुबह का समय शरीर में पित्त के संतुलन का होता है। अगर इस समय खाली पेट चाय पी जाती है, तो यह पित्त को बढ़ा सकती है। पित्त बढ़ने का मतलब है शरीर में गर्मी और एसिडिटी का बढ़ना।

इससे पेट में जलन, खट्टापन और बेचैनी महसूस हो सकती है। इसलिए सुबह सबसे पहले शरीर को हल्का और पौष्टिक आहार देना चाहिए, ताकि पाचन तंत्र धीरे-धीरे सक्रिय हो सके। चाय इस प्रक्रिया को बिगाड़ सकती है और पाचन पर नकारात्मक असर डाल सकती है। वहीं, अगर विज्ञान की नजरिए से देखें तो चाय में मौजूद कैफीन और टैनिन पेट के खालीपन के चलते अंदरूनी परत पर असर डालते हैं। जब पेट खाली होता है, तब ये तत्व एसिड के स्तर को बढ़ा सकते हैं। इससे गैस, एसिडिटी और पेट में भारीपन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। जो लोग पहले से ही पेट से जुड़ी परेशानियों से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह आदत और ज्यादा नुकसानदेह साबित हो सकती है। धीरे-धीरे यह समस्या क्रॉनिक भी बन सकती है। कैफीन का असर दिल और दिमाग पर भी असर डालता है।

गर्मियों में मिलने वाले ये फल स्किन को देंगे

प्राकृतिक ग्लो, सेवन से गुलाब की तरह खिल उठेगा चेहरा

गर्मियों के आगमन के साथ तापमान अधिक होने से चेहरे की रंगत उड़ जाती है। चेहरे का ग्लो, तापमान की वजह से टेनिंग में बदल जाता है। टेनिंग से बचने और ग्लो पाने के लिए लोग महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट का सहारा लेते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि प्रकृति ने गर्मियों में हमें ऐसे फल दिए हैं, जो हमारी प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने में मदद करते हैं? आज हम आपको गर्मियों में मिलने वाले ऐसे फलों के बारे में बताएंगे, जो आपकी स्किन को नेचुरल ग्लो देंगे। पहले नंबर पर है नारियल पानी। नारियल पानी शरीर को हाइड्रेट रखने और त्वचा को ग्लोइंग एवं मुलायम रखने में मदद करता है। अगर गर्मियों में रोजाना एक नारियल पी लिया जाए तो पेट से लेकर त्वचा दोनों ही स्वस्थ महसूस करते हैं। दूसरे नंबर पर है तरबूज। तरबूज में भरपूर मात्रा में विटामिन सी, फाइबर और पानी होता है। विटामिन सी टेनिंग हटाने में मददगार होता है। अगर गर्मियों में टेनिंग से परेशान रहते हैं तो अपने आहार में तरबूज को जरूर शामिल करें। चेहरे को ग्लोइंग बनाने से लेकर तरबूज शरीर के तापमान को भी संतुलित रखने में मदद करता है। तीसरे नंबर पर है खीरा। खीरा सिर्फ सलाद का हिस्सा नहीं है, बल्कि यह पेट और त्वचा दोनों के लिए सेहत का खजाना है। खीरा पूरे शरीर को हाइड्रेट रखता है और चेहरे के रुखेपन को भी कम करने में मदद करता है। कई स्किन ट्रीटमेंट में खीरे का इस्तेमाल किया जाता है। चौथे नंबर पर है आम। आम की तासीर भले ही गर्म होती है लेकिन यह स्किन के लिए फायदेमंद होता है। आम में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, जो चेहरे का खोया निखार वापस लाने में मददगार होते हैं। अगर सही मात्रा में आम का सेवन किया जाए तो यह पूरे शरीर के लिए फायदेमंद है। पांचवें नंबर पर है संतरा। संतरे में भरपूर विटामिन सी होता है। इसका छिलके से लेकर गूदा तक त्वचा के लिए लाभकारी है। संतरा न सिर्फ चेहरे को गहराई से पोषण देता है, बल्कि गहरे दाग-धब्बों को हल्का करने में मदद करता है। संतरे के छिलके का इस्तेमाल भी फेसपैक में किया जाता है।

डेस्क जॉब में घंटों कुर्सी पर बैठकर हो रहा कमर दर्द?

पश्चिमोत्तानासन से दें अपनी बैक को नया जीवन

आज की तेज रफ्तार वाली जीवनशैली में हमारा ज्यादातर समय ऑफिस या कुर्सी पर बैठकर गुजरता है। इससे रीढ़ की हड्डी, कमर और पीठ की मांसपेशियों में तनाव और दर्द होने होना आम बात है। ऐसे में पश्चिमोत्तानासन शरीर को कई तरह के लाभ पहुंचाते हैं। यह आसन हठयोग की मूलभूत मुद्राओं में शामिल है। इसे 'सीटेड फॉरवर्ड बेंड' या 'पश्चिम उत्तासन' भी कहते हैं। यह एक संस्कृत शब्द है, 'पश्चिम' का अर्थ 'शरीर का पिछला हिस्सा' और 'उत्तान' का अर्थ 'गहरा खिंचाव' या तीव्र विस्तार और 'आसन' का अर्थ 'मुद्रा' है। यानी यह आसन शरीर के पिछले हिस्से को गहराई से खींचता है। हठ योग प्रदीपिका के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन एक प्रमुख आसन है, जिसे 'आसनों में सर्वश्रेष्ठ' में से एक माना जाता है और यह हठ योग के 12 मूल आसनों में गिना जाता है। यह आसन पीठ और पैरों को अच्छा खिंचाव देता है और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। यही नहीं, पेट की चर्बी को भी कम करता है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, पश्चिमोत्तानासन (सीटेड फॉरवर्ड बेंड) मधुमेह, साइटिका और मोटापे के लिए एक अत्यंत लाभकारी योगासन है, जो वरिष्ठ नागरिकों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है। यह पेट के अंगों को उत्तेजित करता है, रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है और मानसिक तनाव व चिंता को कम करने में मदद करता है। पश्चिमोत्तानासन करने से पहले सही तरीका जानना बेहद जरूरी है। इसे करते समय शरीर पर ज्यादा जोर न डालें खासकर जब आप इसकी शुरुआत कर रहे हैं। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर पैरों को सीधे फैलाकर बैठें। फिर गहरी सांस लें और धीरे-धीरे शरीर को आगे की ओर झुकाएं।

गर्मियों का सुपरफ्रूट : बढ़ती गर्मी में तन को सुकून और चेहरे को निखार देता है खरबूजा

गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक पहुंचाने और स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए खरबूजा एक बेहतरीन फल है। आयुर्वेद के अनुसार, खरबूजा गर्मियों के लिए वरदान से कम नहीं है। यह न सिर्फ प्यास बुझाता है बल्कि शरीर को अंदर से हाइड्रेट रखने में भी मदद करता है। खरबूजे में लगभग 90 प्रतिशत पानी होता है, जो गर्मी में डिहाइड्रेशन से बचाता है। इसमें उच्च मात्रा में फाइबर, विटामिन ए, विटामिन सी और पोटेशियम जैसे महत्वपूर्ण पोषक तत्व मौजूद होते हैं। ये तत्व शरीर के लिए अत्यंत लाभदायक साबित होते हैं।आयुर्वेद में खरबूजे को ठंडा और पित्त शामक माना गया है। गर्मी में यह शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। इसे कटकर, जूस बनाकर या सलाद के रूप में रोजाना शामिल किया जा सकता है।

हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मियों में खरबूजे का सेवन न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है बल्कि यह सस्ता और आसानी से उपलब्ध फल भी है। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों को डॉक्टर से सलाह के बाद ही सेवन करना चाहिए। खरबूजे को गर्मियों का सुपर फ्रूट कहा जाता है और इसके सेवन से शरीर को एक-दो नहीं कई फायदे मिलते हैं। इसके सेवन से शरीर हाइड्रेट रहता है, गर्मी में पसीना ज्यादा आने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है। खरबूजा प्राकृतिक रूप से पानी की पूर्ति करता है और डिहाइड्रेशन से बचाता है।

खरबूजा में मौजूद फाइबर पाचन क्रिया को सुधारता है, कब्ज की समस्या दूर करता है और पेट साफ रखता है। विटामिन सी से भरपूर खरबूजा रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है, जिससे गर्मी में होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। वजन को नियंत्रित करने में भी खरबूजा कारगर है। कम कैलोरी वाला यह फल फाइबर से भरा होता है, जिसके कारण पेट भरा हुआ महसूस होता है और बार-बार खाने की आदत पर लगाम लगती है। खरबूजा में विटामिन ए और सी पाए जाते हैं, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं। गर्मी में धूप और पसीने से जो त्वचा प्रभावित होती है, खरबूजा उसे निखारने में सहायक है। खरबूजा आंखों की सेहत के लिए भी अच्छा है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बनाए रखने और आंखों की थकान कम करने में मदद करता है।

गर्मियों में अमृत से कम नहीं सहजन का सेवन, पाचन सुधारने से इम्युनिटी बढ़ाने तक का प्राकृतिक तरीका

गर्मी के मौसम में पाचन संबंधी समस्याएं, थकान, कमजोरी और वजन बढ़ने की शिकायत आम हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार, सहजन (मोरिंगा) का सेवन स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद साबित होता है। सहजन को 'चमत्कारी वरदान' भी कहा जाता है क्योंकि इसके पत्ते, फल और फूल सभी औषधीय गुणों से भरपूर होते हैं। नेशनल हेल्थ मिशन बताता है कि सहजन में विटामिन ए, बी, सी, कैरोटीन, आयरन, जिंक, पोटैशियम, मैग्नीशियम और फाइबर प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। गर्मियों में यह शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाता है, पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। गर्मियों में सहजन के सेवन से एक-दो नहीं कई लाभ मिलते हैं। सहजन में मौजूद फाइबर पेट साफ रखता है, कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है, भारी खाने से जो पाचन बिगड़ता है, सहजन उसे ठीक करने में मदद करता है। यह वजन नियंत्रण में भी सहायक है। सहजन मेटाबॉलिज्म को तेज करता है, जिससे भोजन जल्दी पचता है और शरीर में अतिरिक्त चर्बी नहीं जमा होती। फाइबर से भरा होने के कारण यह भूख को नियंत्रित रखता है और बार-बार खाने की आदत पर लगाम लगाता है। गर्मी में शरीर में पानी और हानिकारक पदार्थ जमा हो जाते हैं। सहजन प्राकृतिक रूप से डिटॉक्स करता है, सूजन कम करता है और शरीर को हल्का-फुल्का बनाता है। साथ ही, सहजन रक्त में शुगर का स्तर स्थिर रखने में मदद करता है। जो लोग वजन घटाने के साथ डायबिटीज की समस्या से जूझ रहे हैं, उनके लिए यह विशेष रूप से फायदेमंद है। गर्मी में थकान महसूस होना आम है। सहजन में कैल्शियम और विटामिन सी पाया जाता है, जो शरीर में एनर्जी बनाए रखता है और कमजोरी दूर करने में भी मददगार है। गर्मियों में बीमारियां तेजी से फैलती हैं। सहजन एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होने के कारण रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

जामुन में सेहत का खजाना

डायबिटीज में फायदेमंद और करता है इम्युनिटी बूस्ट

गर्मी का मौसम शुरू होते ही बाजार में खट्टे-मीठे जामुन दिखने लगते हैं। यह स्वादिष्ट फल न सिर्फ गर्मियों में प्राकृतिक शीतलता देता है, बल्कि सेहत के लिए भी वरदान साबित होता है। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही जामुन को गर्मियों का सुपरफूड मानते हैं। आयुर्वेद में जामुन को डायबिटीज और पेट की बीमारी का शत्रु भी कहा जाता है। इसके फल हों या पत्तियां दोनों का उपयोग औषधि बनाने में किया जाता है। साथ ही जामुन की डाली बेहतरीन दातून है, जो मुंह के रोगों का खात्मा कर उन्हें सेहतमंद रखता है। आयुर्वेद में जामुन को ठंडा और पित्त शामक माना गया है। गर्मी में यह शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करता है और पेट को ठंडक पहुंचाता है। इसे ताजा खाकर, जूस बनाकर या सलाद में शामिल करके रोजाना सेवन किया जा सकता है। आयुर्वेद के अनुसार, गर्मियों में जामुन का सेवन न सिर्फ स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है, बल्कि यह सस्ता और आसानी से उपलब्ध फल भी है, जो शरीर को स्वस्थ और हाइड्रेटेड, एनर्जी से भरपूर रखने में कारगर होता है।

जामुन के सेवन से एक-दो नहीं कई फायदे मिलते हैं। यह ब्लड शुगर कंट्रोल करता है। जामुन डायबिटीज के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है। इसमें कम ग्लाइसेमिक इंडेक्स होता है, जो ब्लड शुगर को स्थिर रखने में मदद करता है। गर्मी में जब ब्लड शुगर बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है, तब जामुन का सेवन इसे नियंत्रित रखता है। जामुन में फाइबर की अच्छी मात्रा होती है। यह पाचन क्रिया को सुधारता है, कब्ज दूर करता है और पेट को स्वस्थ रखता है। गर्मी में भारी खाने से जो पाचन बिगड़ता है, जामुन उसे ठीक करने में सहायक और पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है। विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर जामुन रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। इससे गर्मियों में होने वाली बीमारियों से बचाव होता है। साथ ही कम कैलोरी वाला यह फल वजन नियंत्रित रखने में सहायक है। फाइबर से भरा होने के कारण भूख कम लगती है और बार-बार खाने की आदत पर लगाम लगती है। दिल की सेहत के लिए यह फल बहुत अच्छा माना जाता है। जामुन में पोटैशियम होता है जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखता है। यह कोलेस्ट्रॉल कम करने में भी मदद करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है। कम ही लोग जानते हैं कि जामुन त्वचा की चमक भी बढ़ाने में कारगर है। एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाते हैं।

स्वाद ही नहीं सेहत के लिए लाजवाब है लहसुन, आयुर्वेद के जानिए फायदे

लहसुन सिर्फ खाने में स्वाद बढ़ाने नहीं, बल्कि हमारी सेहत के लिए भी वरदान है। आयुर्वेद में लहसुन को रसायन की तरह माना गया है, क्योंकि यह शरीर की कई बीमारियों से लड़ने की ताकत बढ़ाता है। चाहे वह सर्दी-जुकाम हो, इम्यूनिटी की कमजोरी, दिल की समस्याएं या पाचन से जुड़ी परेशानियां, लहसुन हर मामले में मददगार साबित होता है। लहसुन में नेचुरल एंटीबायोटिक गुण मौजूद हैं, जो शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। इसके दाने हों या पत्ते, दोनों ही बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ाते हैं, खासकर जब जुकाम, खांसी और वायरल इंफेक्शन हो। दिल और ब्लड सर्कुलेशन के लिए भी लहसुन बेहद फायदेमंद है। यह कोलेस्ट्रॉल को बैलेंस में रखता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करने में मदद करता है। अगर दिल की बीमारियों का खतरा हो या ब्लड सर्कुलेशन कमजोर हो, तो लहसुन पत्तों के साथ इसका सेवन करना बेहद उपयोगी साबित होता है। पाचन संबंधी समस्याओं में भी लहसुन और उसके पत्ते बहुत असर दिखाते हैं। भारी भोजन, गैस या अपच जैसी परेशानियों में लहसुन का सेवन पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है। आयुर्वेद में इसे गर्मी पैदा करने वाला माना गया है, इसलिए यह पेट के लिए भी फायदेमंद है। जोड़ों के दर्द या शरीर में सूजन की समस्या में भी लहसुन काम आता है। यह प्राकृतिक रूप से सूजन को कम करता है और दर्द में राहत देता है। खासकर बुजुर्गों या ठंड के मौसम में जोड़ों और बदन की अकड़न में यह बहुत लाभकारी है। लहसुन शरीर में गर्माहट बनाए रखने में भी मदद करता है। सुस्ती, थकान या वजन बढ़ने जैसी समस्याओं में लहसुन पत्तों के साथ सेवन करने से शरीर में ऊर्जा बनी रहती है।

बदल गई टैक्स की दुनिया, कर्मचारियों को मिलने वाले भत्तों में क्या हुआ बदलाव

भले ही टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन धारा 87A के तहत छूट को 60,000 रुपये तक बढ़ाया गया है। इसका सीधा असर यह है कि यदि किसी की कर योग्य आय 12 लाख रुपये तक है, तो उस पर लगने वाला पूरा टैक्स इस छूट के कारण शून्य हो जाता है।

एक अप्रैल से सिर्फ कैलेंडर नहीं बदला, बल्कि भारत में टैक्स का पूरा संविधान बदल गया है। 1961 का पुरान इनकम टैक्स एक्ट अब रिटायर हो चुका है और उसकी जगह ले ली है इनकम टैक्स एक्ट 2025 ने। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

एक अप्रैल, 2026 से आजादी के बाद का सबसे बड़ा टैक्स सुधार लागू हुआ है। इनकम टैक्स एक्ट 2025 सिर्फ पुराने कानून की मरम्मत नहीं है, बल्कि टैक्स की पूरी नई इमारत है। भाषा आसान की गई है और पुराने पड़ चुके प्रावधानों को हटाया गया है। तो आइए, समझते हैं उन बड़े बदलावों को, जो आपकी वित्तीय योजना को पूरी तरह बदल देंगे- नए टैक्स कानून में नई टैक्स व्यवस्था को मुख्य आधार बनाया गया है, जो अब अधिकांश करदाताओं के लिए डिफॉल्ट बन चुकी है। भले ही टैक्स स्लैब में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन धारा 87A के तहत छूट को 60,000 रुपये तक बढ़ाया गया है। इसका सीधा असर यह है कि यदि किसी की कर योग्य आय 12 लाख रुपये तक है, तो उस पर लगने वाला पूरा टैक्स इस छूट के कारण शून्य हो जाता है।

वेतनभोगी के लिए नई व्यवस्था में 75,000 रुपये का स्टैंडर्ड डिडक्शन इस राहत को और बढ़ाता है, जिससे प्रभावी रूप से 12.75 लाख रुपये तक की आय पर टैक्स शून्य हो सकता है।

कब होगी टैक्स प्लानिंग की जरूरत

जैसे ही आय 13 लाख या इससे अधिक होती है, टैक्स देनदारी शुरू हो जाती है और यहीं से वास्तविक टैक्स प्लानिंग की जरूरत होगी। धारा 87A की छूट हर प्रकार की आय पर लागू नहीं है। कैपिटल गेन, क्रिप्टो आय या लॉटरी से प्राप्त आय पर यह छूट उपलब्ध नहीं होगी। इसलिए करदाताओं को केवल अपनी सैलरी नहीं, बल्कि अपनी पूरी आय की संरचना को समझते हुए ही टैक्स प्लानिंग करनी होगी, नहीं तो बाद में अप्रत्याशित टैक्स देनदारी सामने आ सकती है।

एचआरए का बढ़ा दायरा

अब तक केवल दिल्ली, मुंबई, कोलकाता व चेन्नई को ही 50% एचआरए छूट के लिए 'मेट्रो' माना जाता था। अब इस लिस्ट में बंगलूरू, पुणे, हैदराबाद और अहमदाबाद को भी जोड़ा गया है। यानी इन शहरों में रहने वाले कर्मचारी बेसिक सैलरी का 50% हिस्सा एचआरए के रूप में क्लेम कर सकेंगे।

सावधानी भी जरूरी

अब मकान मालिक के साथ अपना रिश्ता बताना अनिवार्य होगा ताकि फर्जी रेंट रसीदों के खेल को रोका जा सके।

विदेश यात्रा और पढ़ाई में राहत

विदेश पैसे भेजने (LRS) के नियमों को सरल बनाया गया है और TCS की दरें कम की गई हैं।

शिक्षा और इलाज

पहले 7 लाख रुपये के ऊपर 5% लगता था, अब 2% लगेगा।

विदेश यात्रा

पहले 10 लाख के ऊपर 20% का भारी बोझ था। अब बिना किसी सीमा के 2% फ्लैट रेट लागू होगा।

रिटर्न भरने की समय सीमा में बदलाव

ITR-3 और ITR-4 (छोटे कारोबारी और प्रोफेशनल) आखिरी तारीख 31 जुलाई से बढ़ाकर 31 अगस्त।

रिवाइज्ड रिटर्न

रिटर्न सुधारने के लिए अब 9 महीने के बजाय 12 महीने (अगले साल 31 मार्च तक) का समय !

निवेशकों का बढ़ेगा खर्च

शेयर बाजार के खिलाड़ियों के लिए खर्च बढ़ गया है। सिक्योरिटी ट्रांजेक्शन टैक्स (STT) की दरें बढ़ा दी गई हैं-

ऑप्शंसः प्रीमियम पर टैक्स 0.1% से बढ़कर 0.15%

फ्यूचर्सः 0.02% से बढ़कर 0.05%

सॉवरेन गोल्ड बॉन्डः अगर गोल्ड बॉन्ड बाजार से खरीदे गए हैं, तो मैच्योरिटी पर मिलने वाले मुनाफे पर कैपिटल गेन टैक्स लगेगा। पहले यह पूरी तरह टैक्स-फ्री था।

कर्मचारियों को मिलने वाले भत्तों और पर्क्स की सीमाओं में बड़े बदलाव किए गए हैं। भत्तों को अब हकीकत के करीब लाने की कोशिश की गई है।

शिक्षा (दो बच्चे)	100 रुपये/महीना प्रति बच्चा 3,000 रुपये/महीना प्रति बच्चा
हॉस्टल भत्ता (दो बच्चे)	300 रुपये/महीना प्रति बच्चा 9,000 रुपये/महीना प्रति बच्चा
फ्री मील (प्रति भोजन)	50 रुपये 200 रुपये
गैर-नकद उपहार (सालाना)	5,000 रुपये 15,000 रुपये
विदेश में इलाज	आय 2 लाख से कम होने पर छूट आय 8 लाख से कम होने पर छूट
कार लीज (1.6 L इंजन से छोटा) (ड्राइवर सहित)	2,700 रुपये 8,000 रुपये (ड्राइवर सहित)

नए युग की शुरुआत

पहले निवेश का मुख्य उद्देश्य टैक्स बचाना होता था, अब फोकस बदलकर वेल्थ क्रिएशन है, जिसमें रिटर्न, जोखिम और जरूरत तीनों को संतुलित करना आवश्यक है। ये बदलाव ईमानदार करदाताओं के लिए राहत लेकर आए हैं। हर व्यक्ति आय और निवेश का सही और पारदर्शी विवरण दे। यदि इस नए सिस्टम को समझदारी और योजना के साथ अपनाया जाए, तो यह न केवल टैक्स बोझ को कम करेगा, बल्कि एक मजबूत और सुरक्षित वित्तीय भविष्य की दिशा भी तय करेगा।

जानकारों का क्या कहना?

चार्टर्ड अकाउंटेंट मुकेश जैन के अनुसार यह एक वास्तविक और महत्वपूर्ण पहल है। इसे विशेष रूप से पुराने विदेशी खातों वाले छात्र, विदेशी इक्विटी (RSUS/ESOPs) वाले टेक कर्मचारी और भारत लौटने वाले अप्रवासी भारतीयों (एनआरआई) के लिए तैयार किया गया है, जो अनजाने में विदेशी संपत्तियों की रिपोर्ट करने में विफल रहे थे।

अघोषित संपत्ति और आय का कुल मूल्य एक करोड़ रु. तक है, तो करदाता को 30% कर और 100% अतिरिक्त लेवी (संपत्ति मूल्य का कुल 60%) देना होगा। यदि संपत्तियों की घोषणा निवासी बनने पर नहीं की गई थी, तो वे एक लाख रु. का मामूली शुल्क देकर इसे नियमित कर सकते हैं (बशर्ते मूल्य 5 करोड़ तक हो)। ब्लैक मनी एक्ट, 2015 के प्रावधानों के तहत दंड और मुकदमे से पूर्ण सुरक्षा।

20 अप्रैल से अमेरिका का दौरा करेगा भारतीय प्रतिनिधिमंडल, नए टैरिफ और जांच पर होगी चर्चा

भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की बातचीत एक बार फिर से रफ्तार पकड़ने जा रही है। दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने और द्विपक्षीय वार्ताओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से एक भारतीय प्रतिनिधिमंडल आगामी 20 से 22 अप्रैल 2026 तक अमेरिका का दौरा करेगा। हाल ही में अमेरिका द्वारा लगाए गए नए आयात शुल्क (टैरिफ) और व्यापारिक जांच से जुड़े घटनाक्रमों के बीच इस आगामी बैठक को व्यापार जगत के लिए काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इस साल की शुरुआत में दोनों देशों के बीच व्यापारिक मोर्चे पर कई बड़े फैसले देखने को मिले हैं। 2 फरवरी 2026 को भारत और अमेरिका के बीच एक अंतरिम व्यापार समझौते की आधिकारिक घोषणा की गई थी। इसके कुछ ही दिनों बाद, 7 फरवरी 2026 को दोनों देशों ने इस विषय पर एक संयुक्त बयान भी जारी किया था। इस दिशा में सकारात्मक कदम उठाते हुए, अमेरिका ने 7 फरवरी को 25 प्रतिशत के अतिरिक्त यथामूल्य टैरिफ को हटा लिया था, जो कि भारतीय व्यापार के लिए एक बड़ी राहत थी। इसके अतिरिक्त, 20 फरवरी 2026 को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के एक अहम फैसले ने पारस्परिक टैरिफ को पूरी तरह से अमान्य कर दिया। हालांकि, इस फैसले के तहत धारा 232 वाले टैरिफ और इससे जुड़ी छूट पहले की तरह ही जारी रहेंगी।

नए अमेरिकी टैरिफ और व्यापारिक चुनौतियां

इन सकारात्मक व्यापारिक कदमों के बीच, अमेरिकी सरकार के कुछ नए फैसलों ने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। 24 फरवरी 2026 से अमेरिकी सरकार ने 1974 के व्यापार अधिनियम की धारा 122 के तहत एक कार्यकारी आदेश लागू किया है। इस आदेश के माध्यम से अमेरिका ने सभी देशों से आने वाले कुछ चुनिंदा उत्पादों पर 10 प्रतिशत का नया टैरिफ लगा दिया है। इसके साथ ही, अमेरिका ने व्यापार अधिनियम 1974 की धारा 301 के तहत दो नई वैश्विक जांच भी शुरू कर दी हैं, जिनका सीधा प्रभाव भारतीय निर्यात पर भी पड़ सकता हैः अतिरिक्त क्षमताः अमेरिका द्वारा शुरू की गई पहली जांच 'अतिरिक्त क्षमता' को लेकर है, जिसके दायरे में भारत सहित दुनिया की 16 अर्थव्यवस्थाएं शामिल की गई हैं।

जबरन श्रमः दूसरी जांच 'जबरन श्रम' के संवेदनशील मुद्दे पर केंद्रित है, और इस जांच में भारत समेत 60 अर्थव्यवस्थाओं को शामिल किया गया है।

भारत सरकार का रुख और आगे की राह

अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि (यूएसटीआर) द्वारा इन नई जांचों के संबंध में विचार-विमर्श का अनुरोध किया गया था। इस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए, भारत सरकार ने अपना आधिकारिक जवाब अमेरिकी प्रशासन को सौंप दिया है। भारतीय दल की 20 से 22 अप्रैल की यह अमेरिका यात्रा द्विपक्षीय व्यापार नीतियों में स्थिरता लाने के लिहाज से एक महत्वपूर्ण कदम है। इस वार्ता से उम्मीद की जा रही है कि नए अमेरिकी टैरिफ नियमों और व्यापारिक जांच के कारण पैदा हुई मौजूदा चिंताओं का कोई सकारात्मक समाधान निकलेगा, जिससे भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक साझेदारी को एक नई दिशा मिलेगी।

दुनिया के सबसे बड़े ईसाई धर्मगुरु पोप शाही मस्जिद में पहुंचे, कहा- शांति दोनों धर्मों की जिम्मेदारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। पोप लियो XIV ने अल्जीयर्स की ग्रैंड मस्जिद का दौरा किया और यहां पर आपसी सम्मान और शांति स्थापना का आह्वान किया।यहां पर उन्होंने गोल्डन बुक पर साइन किया और बड़ी मस्जिद में खुले तौर पर वेटिकन-इस्लाम का महा-गठबंधन बनाया। यानी दोनों धर्मों (मुस्लिम और ईसाई) के लोग पोप आपस में मिलजुलकर रहें। साथ ही शांति और सहयोग पर जोर दें। लियो ने अफ्रीका के अल्जीयर्स की ग्रैंड मस्जिद के दौरे से अपनी धर्म-यात्रा की शुरुआत की। यहां पर उन्होंने इस स्थल के आध्यात्मिक महत्व को दुनिया के समाने लाया। पोप ने कुछ देर मौन रहकर ध्यान में भी समय बिताया।

मस्जिद के रेक्टर, मोहम्मद मामून अल कासिम ने उनका स्वागत किया और भाईचारे से भरे शब्द कहे। इस पर पोप ने कहा कि मैं इस दौरे के दौरान आपके इन विचारों और इन महत्वपूर्ण शब्दों के लिए आपका धन्यवाद करता हूं। उन्होंने कहा कि ये एक ऐसा स्थान है, जो ईश्वर के स्थान का प्रतिनिधित्व करता है। एक दिव्य और पवित्र स्थान है। यहां अनेक लोग आकर प्रार्थना करते हैं। साथ ही वो अपने जीवन में 'परमेश्वर' की उपस्थिति का अनुभव करने आते हैं।

'हर मनुष्य की गरिमा को पहचानना जरूरी है'

पोप लियो ने हिप्पो के ऑगस्टीन के माध्यम से इस देश के साथ अपने व्यक्तिगत जुड़ाव को भी याद किया। पोप ने अल्जीरिया को कहा कि ये मेरे आध्यात्मिक पिता की भूमि है। उन्होंने अपने संबोधन के मुख्य विषयों पर भी बात की। उन्होंने सत्य की खोज, हर मनुष्य की गरिमा को पहचानना और शांति स्थापित करने की साझा जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि ईश्वर की खोज का अर्थ यह भी है कि हम प्रत्येक पुरुष और महिला में ईश्वर के स्वरूप को पहचानें। उन्होंने कहा कि ऐसी पहचान के लिए आपसी सम्मान और सह-अस्तित्व की आवश्यकता होती है। पोप ने मस्जिद परिसर के दोहरे उद्देश्य की ओर भी संकेत किया। उन्होंने धार्मिक और बौद्धिक स्तर पर इस बदलाव की बात की। उन्होंने इस बात के महत्व पर जोर दिया कि सृष्टि और मानव-गरिमा को बेहतर ढंग से समझने के लिए मानवीय ज्ञान का विकास आवश्यक है। अपने संबोधन में उन्होंने अल्जीरिया के लोगों और समस्त राष्ट्रों के लिए प्रार्थना करने का आश्वासन दिया। उन्होंने जाहिर की है कि विभिन्न लोगों के बीच शांति, न्याय, मेल-मिलाप और क्षमा की भावना का विकास आने वाले समय में होगा।

शहबाज बस नाम के पीएम, भाव तो मुनीर का ही... पाक के पूर्व मंत्री ने उगल दिया सच

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की पुरानी हकीकत है कि वहां सत्ता की असली ताकत पर मिलिट्री का दबदबा नजर आता है। हाल ही में आए एक बयान ने इसे और पुख्ता कर दिया है। दरअसल, मिडिल-ईस्ट की स्थिति को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ के रूप में पाकिस्तान भूमिका निभा रहा है। इस्लामाबाद में US-ईरान के बीच मध्यस्थता वार्ता का नेतृत्व को लेकर सवाल पूछा गया कि आखिर इसका नेतृत्व कौन कर रहा है, जनरल आसिम मुनीर या फिर शहबाज शरीफ?

इस सवाल का जवाब देते हुए पाकिस्तान के पूर्व सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि सच कहूं, तो इस बारे में कोई दो राय नहीं है। उन्होंने कहा कि इस समय पाकिस्तान का नेतृत्व जनरल आसिम मुनीर कर रहे हैं। वह पाकिस्तान के वास्तविक नेता हैं। उन्होंने कहा कि फिलहाल फैसले

लेने का अधिकार फील्ड मार्शल या CDF के पास है। कल भी, राष्ट्रपति ट्रंप ने असल में जनरल आसिम मुनीर को ही पाकिस्तान का नेता बताया था। उन्होंने शहबाज शरीफ के बारे में बात करने की जहमत भी नहीं उठाई।

क्या दोबारा हो सकती है बातचीत?

एक बार अमेरिका-ईरान के बीच असफल शांति वार्ता के बाद दोबारा से बातचीत की उम्मीद को लेकर कई तरह के सवाल सामने आ रहे हैं। इस बारे में ईरान के सरकारी मीडिया की तरफ से जानकारी दी गई है कि एक पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल अमेरिका का संदेश लेकर ईरान जा रहा है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल दोनों देशों के बीच बातचीत के दूसरे दौर की योजना भी बना सकता है। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने आज पहले अपनी साप्ताहिक प्रेस ब्रीफिंग के दौरान इस बात की पुष्टि भी की थी। उन्होंने बताया कि इस्लामाबाद में हुई चर्चाओं को आगे बढ़ाते हुए, तेहरान में पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल के आने की पूरी संभावना है।

होर्मुज से भी बड़े रास्ते को ब्लॉक करने की तैयारी, साउथ चाइना सी के एंट्री गेट पर बैरिकेड लगा रहा चीन

बीजिंग, एजेंसी। चीन समंदर में होर्मुज से भी बड़े रास्ते को ब्लॉक करने की तैयारी में है। दरअसल, फिलीपींस और जापान से विवाद के बीच चीन ने साउथ चाइना सी के प्रवेश द्वार को आंशिक रूप से ब्लॉक करने की तैयारी शुरू कर दी है। चीन की कोशिश इसके प्रवेश द्वार को कंट्रोल में लेने की है। इसके लिए उसने स्कारबोरो शोल के पास जहाजों की तैनाती शुरू की है। चीन जहाजों के जरिए इसके प्रवेश द्वार को बंद कर सकता है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने सैटेलाइट इमेज के जरिए इसका खुलासा किया है। इमेज में देखा जा रहा है कि कैसे चीन साउथ चाइना सी के एंट्रेंस गेट पर अवरोधक लगा दिया है, जिससे इस रास्ते से उसके निगरानी के बिना कोई भी जहाज आसानी से न गुजर सके। Ventor सैटेलाइट इमेज से जो तस्वीर सामने आई है, उसके मुताबिक चीन ने साउथ चाइना सी के प्रवेश द्वार को ब्लॉक करने के लिए एक अवरोधक, एक जहाज और 4 मछली पकड़ने वाले नावों को लगाया है। इन्हें ऐसे तैनात किया गया है, जिससे पूरे इलाके की बैरिकेडिंग हो जाए। जानकारों का कहना है कि चीन के इस कदम से इस इलाके में तनाव पैदा हो सकता है, क्योंकि यहां पर फिलीपींस पहले से अपना दावा करता रहा है। हालांकि, बैरिकेडिंग को लेकर चीन ने आधिकारिक तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

फिलीपीन तटरक्षक बल के प्रवक्ता जे टैरिएला का कहना है कि चीन ने इस इलाके में 352 मीटर का अवरोधक स्थापित किया है। इसके अलावा चीन ने यहां पर पानी के भीतर 6 पनडुब्बियों को तैनात किया है। चीन पूरी तरह से इसे कंट्रोल में लेना चाहता है। पूरी दुनिया के कुल व्यापार का 33 प्रतिशत साउथ चाइना सी के जरिए होता है। अगर इसे ब्लॉक या कंट्रोल किया जाता है तो पूरी दुनिया में त्राहिमाम की स्थिति हो सकती है। सिंगापुर, फिलीपींस, जापान, चीन और ताइवान जैसे देश इसी रास्ते से अपना व्यापार करता है। इस द्वीप के अधिकांश हिस्सों पर पहले से ही चीन का कब्जा है, लेकिन हाल के दिनों में कृत्रिम द्वीप बनाकर चीन इसे पूरी तरह से कंट्रोल करना चाहता है। अब चीन ने जिस तरीके से दक्षिण चीन सागर के प्रवेश द्वार पर अवरोधक लगाए हैं, उससे सवाल उठ रहे हैं। चीन की कोशिश इसे अपने कंट्रोल में लेने की है। 2016 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने फिलीपींस के दावे को मानते हुए कहा था कि यह द्वीप चीन का नहीं है।

295 दिन से लगातार समंदर में तैनात, दुनिया के सबसे बड़े जंगी जहाज ने कोविड काल का रिकॉर्ड तोड़ रचा नया इतिहास

वॉशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े विमानवाहक पोत, USS गेराल्ड आर। फोर्ड ने कल बुधवार को वियतनाम युद्ध के बाद सबसे लंबी तैनाती का अमेरिकी रिकॉर्ड तोड़ दिया। फोर्ड की तैनाती करीब 10 महीने तक रही। अपनी तैनाती के दौरान इसने फरवरी में वेनेज़ुएला में हुए सैन्य हमले और फिर ईरान के खिलाफ जंग, दोनों में हिस्सा लिया। हालांकि पोत की लंबी तैनाती पर सवाल भी उठाए जा रहे हैं।

U.S. नेवल इंस्टीट्यूट (एक गैर-लाभकारी संगठन) द्वारा संचालित U।S। नेवल इंस्टीट्यूट न्यूज की ओर से संकलित आंकड़ों के अनुसार, समुद्र में इस जहाज का 295वां दिन पिछले 50 सालों में किसी विमानवाहक पोत की सबसे लंबी तैनाती के पिछले रिकॉर्ड से कहीं आगे निकल गया। इससे पहले, 2020 में

कोरोना महामारी के दौरान USS अब्राहम लिंकन को 294 दिनों के लिए भेजा गया था।

सबसे बड़े जंगी जहाज की लंबी तैनाती की वजह से उन सैनिकों पर पड़ने वाले असर को लेकर सवाल उठने लगते हैं जो लंबे समय तक घर से दूर रहते हैं, साथ ही जहाज और उसके उपकरणों पर बढ़ते दबाव को लेकर भी चिंताएं पैदा होती हैं। खास बात यह है कि यह जहाज पहले ही एक आग की घटना का सामना कर चुका है, इस वजह से लंबे समय तक इसकी रिपेयरिंग करानी पड़ी थी।

पहले वेनेजुएला फिर ईरान पर हमला

फोर्ड की पिछले साल जून 2025 में तैनाती शुरू की गई थी, और तब वह वर्जीनिया के नॉरफॉक में अपने घरेलू बंदरगाह से भूमध्य सागर की ओर रवाना हुआ था। अक्टूबर में अमेरिकी सेना ने इसे कैरिबियन सागर की ओर मोड़ दिया। इस विमानवाहक पोत ने पिछले दिनों वेनेज़ुएला के तत्कालीन राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनके घर से पकड़ने के लिए चलाए गए सैन्य अभियान में हिस्सा लिया था। इसके बाद इसे और भी युद्ध का सामना करना पड़ा, ईरान पर हमले के दौरान इसे मध्य पूर्व क्षेत्र की ओर भेज दिया गया। इस विमानवाहक पोत ने भूमध्य सागर से ही ईरान युद्ध के शुरुआती दिनों में हिस्सा लिया था, फिर यह स्वेज नहर से होते हुए मार्च की शुरुआत में लाल सागर में प्रवेश कर गया। हालांकि, जहाज के कपड़े धोने वाले (लॉन्ड्री) एक हिस्से में आग लगने की वजह से इसे वापस लौटना पड़ा और मरम्मत के लिए भूमध्य सागर आना पड़ा।

लंबी तैनाती पर सीनेटर ने जताई चिंता

इस बीच वर्जीनिया के सीनेटर टिम केन ने कहा कि इस लंबी और रिकॉर्ड-तोड़ तैनाती का चालक दल के मेंटल हेल्थ और सही रहने पर "गंभीर असर" पड़ा है। उन्होंने बताया कि आग लगने की घटना की वजह से करीब 600 नाविकों के पास कुछ समय के लिए सोने की जगह भी नहीं बची थी। डेमोक्रेटिक सीनेटर ने अपने एक बयान में कहा, "उन्हें अपने परिजनों के साथ घर पर होना चाहिए, न कि किसी ऐसे राष्ट्रपति के आदेश पर दुनिया भर में भेजा जाना चाहिए, जो यह समझता है कि अमेरिकी सेना उसके महल की निजी रक्षक है।"

धर्म को खोखला नहीं कर सकते... सबरीमाला केस में बोला सुप्रीम कोर्ट, टीडीबी ने दी ये दलील

नई दिल्ली। सबरीमाला मंदिर में महिलाओं के प्रवेश से जुड़े मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। शीर्ष अदालत में पिछले चार दिनों से सुनवाई चल रही है और कल भी इस पर सुनवाई जारी रहेगी। नौ जजों की संविधान पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही है। चौथे दिन यानी बुधवार को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सामाजिक सुधार के नाम पर धर्म को खोखला नहीं किया जा सकता। टीडीबी की तरफ से दलीलें दी गई कि अदालतें धार्मिक मान्यताओं, संप्रदायों के मामलों में फैसला नहीं दे सकतीं।

त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड की तरफ से पेश हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि धर्म उन परंपराओं और मान्यताओं का नाम है, जिसे एक जैसा सोचने वाला पूरा समाज मानता आ रहा है। यह केवल एक व्यक्ति की पसंद नहीं, बल्कि पूरे समुदाय की पहचान है। यह तय नहीं करना चाहिए कि कौन सी धार्मिक परंपरा सही है या गलत। अगर कोई समुदाय किसी खास परंपरा में यकीन रखता है, तो अदालत को उस आस्था का सम्मान करना चाहिए। सिंघवी ने कहा कि संविधान हर व्यक्ति को अपना धर्म मानने की आजादी (अनुच्छेद 25) देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि एक व्यक्ति की पसंद पूरे समुदाय की पुरानी मान्यताओं और दूसरे लोगों के अधिकारों को खत्म कर दे।

सिंघवी ने कहा कि अदालत का काम उस आस्था की सत्यता या तर्कसंगतता पर फैसला देना नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि संविधान के स्पष्ट प्रावधानों में अदालतें अपनी ओर से कुछ जोड़, घटा या बदलाव नहीं कर सकतीं इसलिए कुछ फैसलों में जो Essential Religious Practice यानी जरूरी धार्मिक प्रथा का सिद्धांत जोड़ा गया, वह संविधान की मूल भाषा से परे है और इस पर विस्तार से बहस की जाएगी। टीडीबी एक वैधानिक स्वायत्त निकाय है और दक्षिण भारत में 1000 से अधिक मंदिरों का प्रबंधन करता है।

9 जजों की पीठ कर रही मामले की सुनवाई

नौ जजों की संविधान पीठ में जस्टिस बीवी नागरत्ना, जस्टिस एमएम सुंदरेश, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, जस्टिस अरविंद कुमार, जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, जस्टिस प्रसन्ना बी। वराले, जस्टिस आर। महादेवन और जस्टिस जॉयमाल्या बागची भी शामिल हैं।

केजरीवाल और जज के बीच बहस का वीडियो हटाने का आदेश, हाई कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को क्या दिए निर्देश?

नई दिल्ली, एजेंसी। कोर्ट में अरविंद केजरीवाल की जज से बहस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। अब इसे लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने पुलिस को सोशल मीडिया से इन वीडियो को हटवाने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से कहा है कि वह एक्साइज पॉलिसी केस में जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा के सामने बहस कर रहे अरविंद केजरीवाल की बिना इजाज़त वाली वीडियो रिकॉर्डिंग हटा दे। क्योंकि कोर्ट की कार्यवाही की बिना इजाजत रिकॉर्डिंग नहीं की जा सकती है। ऑनलाइन सुनवाई पर दिल्ली हाई कोर्ट के नियम कोर्ट की कार्यवाही के वीडियो रिकॉर्ड करने और पब्लिश करने पर रोक लगाते हैं।

दरअसल, अरविंद केजरीवाल 13 अप्रैल को दिल्ली हाई कोर्ट के सामने खुद पेश हुए थे और दिल्ली एक्साइज पॉलिसी केस से जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा को हटाने की अपनी अर्जी पर बहस की थी। केजरीवाल ने तकरीबन एक घंटे से ज्यादा बहस की थी। सुनवाई के तुरंत बाद, कोर्ट के सामने उनकी बहस के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। अरविंद केजरीवाल के बाद, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट में केजरीवाल की अर्जी का विरोध किया। बता दें कि जांच एजेंसी ने कहा कि आम आदमी पार्टी और उसके नेताओं को शराब नीति में हेरफेर के कारण शराब निर्माताओं से रिश्वत मिली। ED ने भी बाद में इस मामले में धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत मामला दर्ज किया।

कोर्ट के एक अधिकारी ने पुष्टि की है कि नियमों का उल्लंघन कर वीडियो रिकॉर्ड करने और उसे सोशल मीडिया पर साझा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। दिल्ली हाई कोर्ट ने पहले भी ऐसे मामलों में कड़ा रुख अपनाया है और अरविंद केजरीवाल का वीडियो भी उसी श्रेणी में शामिल है जिस पर अदालत ने संज्ञान लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब भी इस तरह के उल्लंघन कोर्ट के ध्यान में आते हैं, तो सुरक्षा एजेंसियों को तुरंत वीडियो हटाने और दोषियों पर कानून सम्मत एक्शन लेने के निर्देश दिए जाते हैं, ताकि न्यायिक मर्यादा बनी रहे।

स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ केजरीवाल का नया हलफनामा

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ उन्हीं की कोर्ट में एक नया शपथ पत्र दाखिल किया है। इस हलफनामे में केजरीवाल ने सीधे तौर पर जज के बच्चों से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा उठाते हुए सुनवाई की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं। केजरीवाल ने अपने हलफनामे में आरोप लगाया है कि जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा के दोनों बच्चे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के संरक्षण में काम कर रहे हैं। केजरीवाल ने दावा किया कि तुषार मेहता ही उनके बच्चों को कानूनी केस और काम उपलब्ध कराते हैं। केजरीवाल ने अपने एफिडेविट में ये भी कहा कि दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीबीआई की तरफ से तुषार मेहता ही वकील हैं। ऐसे में जस्टिस स्वर्णकांता शर्मा तुषार मेहता के खिलाफ कैसे ऑर्डर देंगी।

उम्र 40 साल, अब तक क्यों कुंवारी हैं शक्ति मोहन? बताया क्यों नहीं की शादी

डांस इंडिया डांस 2 की विनर बनने के बाद शक्ति मोहन ने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई। वो एक पॉपुलर कोरियोग्राफर होने के साथ-साथ डांस स्टूडियो की भी मालकिन हैं। हाल ही में शक्ति को सिदार्थ कन्नन के पॉडकास्ट में देखा गया। इस दौरान उन्होंने अपनी शादी और फैमिली प्लानिंग को लेकर खुलकर बात की।

शक्ति मोहन ने इस पॉडकास्ट में बताया कि आखिर 40 की उम्र में भी वो कुंवारी क्यों हैं। शक्ति ने कहा,बहुत से लोग मुझसे शादी के बारे में बहुत बार पूछते हैं। मेरे पिता ने कल ही मुझसे पूछा कि क्या मुझे कोई मिल गया है, मेरी मां चाहती हैं कि मैं किसी के साथ रहूं। वो मुझसे कहती हैं कि कम से कम एक बॉयफ्रेंड तो बना लो।

शक्ति मोहन ने अपनी बातों को आगे बढ़ाते हुए कहा,मुझे अपने काम और स्टूडियो चलाने में बहुत मजा आ रहा है। मुझे ऐसा नहीं लगता कि कुछ कमी है। ये समाज की सोच है कि जीवन में किसी का होना जरूरी है।

उन्होंने आगे कहा,अगर मैं इस तरह खुश हूं तो समस्या क्या है। अगर मुझे कोई अच्छा साथी मिल जाए तो मैं मना नहीं करूंगी, लेकिन जब कोई है ही नहीं, तो मुझे इस बारे में क्यों सोचना चाहिए।इस पॉडकास्ट में शक्ति मोहन ने कहा कि वो वो सिंगल हैं।

साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि उनके अंदर मदरहुड की फीलिंग भी नहीं है और कभी भी उनकी मां बनने की इच्छा नहीं हुई।शक्ति ने बताया कि दो बार उनका दिल टूट चुका था, उसके बाद उन्हें जब धोखा मिला तो उन्हें काफी परेशानी हुई।

शक्ति मोहन ने बताया,मुझे एक रिश्ते में धोखा मिला। मैंने तुरंत रिश्ता तोड़ दिया।लेकिन मेरी मां ने कहा कि वो अच्छा लड़का है, हमारा तीन साल का रिश्ता था, और मुझे इसे भूल जाना चाहिए। शक्ति मोहन ने बताया कि उनकी मां ने उनसे कहा कि लड़के ऐसे ही होते हैं और इसे स्वीकार कर लो। लेकिन, उन्होंने अपनी मां से कहा कि मैं ऐसे लड़के को अपनी लाइफ में एक्सेप्ट नहीं करूंगी। अगर लड़के ऐसे ही होते हैं तो मुझे अपनी लाइफ में कोई भी लड़का नहीं चाहिए।

तापसी पन्नू की 'अस्सी' अब ओटीटी पर होने जा रही रिलीज, 17 अप्रैल से जी5 पर स्ट्रीमिंग के लिए अवेलेबल होगी

तापसी पन्नू की अस्सी 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ हुई थी, अपनी शानदार कहानी और सोशल रेलिवेंट सब्जेक्ट के लिए इस कोर्टरूम ड्रामा को क्रिटिक्स से काफी तारीफ मिली थी हालांकि ये बॉक्स ऑफिस पर खास परफॉर्म नहीं कर पाई। लेकिन फैंस इस फिल्म की ओटीटी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। फाइनली अनुभव सिन्हा द्वारा निर्देशित ये फिल्म अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर डेब्यू करने जा रही है। चलिए यहां जानते हैं इसे कब और कहां देख सकेंगे।

जो लोग सिनेमाघरों में अस्सी को देखने से चूक गए, वे अब इसे अपने घर पर आराम से देख सकते हैं। दरअसल इसकी ओटीटी रिलीज की डेट आ गई है। बता दें कि 'अस्सी' 17 अप्रैल, 2026 से जी5 पर स्ट्रिमिंग के लिए अवेलेबल होगी। इस फिल्म की कहानी गौरव सोलंकी और अनुभव सिन्हा ने लिखी है और इसका निर्माण भूषण कुमार, कृष्ण कुमार और अनुभव सिन्हा ने किया है।

सैकनिल्क के आंकड़ो के मुताबिक अस्सी ने भारत में 10।47 करोड़ का नेट लाइफटाइम कलेक्शन किया है। वहीं वर्ल्डवाइड ये फिल्म 14।93 करोड़ कमा पाई थी। खबरों के मुताबिक इस फिल्म को 40 करोड़ के बजट में बनाया गया था और ये अपनी आधी लागत भी वसूल नहीं कर पाई। इसलिए ये बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप रही है।

अस्सी दिल्ली की एक स्कूल टीचर परिमा की कहानी है, जिसका पांच लोग गैंगरेप करते हैं यह फिल्म एक बेहद दोषपूर्ण लीगल और सोशल सिस्टम के खिलाफ न्याय की लड़ाई में एक महिला के दर्द भरे संघर्ष को दिखाती है। जिसका केस तापसी पन्नू स्टारर किरदार वकील रावी लड़ती है।

फिल्म में कानी कुसृति परिमा के रूप में, रेवती वसुधा के रूप में, मनोज पाहवा दीपराज के रूप में, कुमुद मिश्रा कार्तिक के रूप में, मोहम्मद जीशान अय्यूब विनय के रूप में और सत्यजीत शर्मा अपोजिशन के वकील के रूप में नजर आते हैं।

है जवानी तो इश्क होना है का फर्स्ट लुक आउट, दो हसीनाओं के साथ रोमांस करते दिखें वरुण

वरुण धवन, पूजा हेगड़े और मृणाल ठाकुर की फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का पहला लुक सामने आ गया है। लेकिन जिस बात ने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वह थी इसकी नई रिलीज डेट और फिल्म की स्टोरी। बॉक्स ऑफ़िसि पर एक बड़ा क्लैश होने वाला है, क्योंकि वरुण धवन की आने वाली फिल्म करण जौहर और दिलजीत की आगामी फिल्म से क्लैश होगी।

है जवानी तो इश्क होना है के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर फिल्म का फर्स्ट लुक जारी किया और कैप्शन में लिखा है, डेविड धवन का मनोरंजन करने वाली फिल्म है जवानी तो इश्क होना है का फर्स्ट लुक आ गया है। 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में।

फर्स्ट लुक की शुरुआत दो एआई -जनरेटेड बच्चों से होती है, जो एक-दूसरे से अपने माता-पिता के बारे में पूछते हैं। इस दौरान दोनों को एहसास होता है कि उनकी मांओं के नाम तो अलग-अलग हैं, लेकिन उनके पिता शायद एक ही व्यक्ति हैं। इसके बाद वरुण धवन की झलक दिखाई जाती है। फिल्म में उनके किरदार का नाम जस होता है, जो एक कूल और हैंडसम लड़का है।

फिर दोनों मांओं, बानी (मृणाल) और प्रीत (पूजा) के किरदारों से रूबरू कराया जाता है। बैकग्राउंड में 1999 की फिल्म बीवी नंबर 1 का गाना इश्क सोना है का एक मॉडर्न वर्शन बज रहा है। यह गाना असल में सलमान खान और सुष्मिता सेन पर फिल्माया गया था।

फर्स्ट लुक में एआई के इस्तेमाल पर यूजर्स का काफी रिएक्शन आया है। एक यूजर ने लिखा है, पहला लुक अच्छा है, फिल्म मजेदार लग रही है, लेकिन एआई क्लिप्स सारा मजा किरकिरा कर देते हैं। हमारे पास हे बेबी, बेबीज डे आउट जैसी फिल्में थीं। मेरा मतलब है, पुराने लाइफबॉय के विज्ञापन ही देख लीजिए। आप दो ऐसे बच्चों को दिखा सकते थे, जो एक-दूसरे को घूर रहे हों, एक जैसे दिख रहे हों, और उन्हें यह एहसास हो जाए कि उनके पिता एक ही हैं। एआई का यह इस्तेमाल बिल्कुल भी जरूरी नहीं था।

एक यूजर ने लिखा है, इस फिल्म में एआई बच्चों का इस्तेमाल करने का क्या मतलब है, जबकि 2006 में आई फिल्म सैंडविच में टुकटुक और टोनी जैसे यादगार किरदार थे? एक ने लिखा है, अरे यार!! बच्चों के लिए भी एआई का इस्तेमाल किया? यह क्या बकवास है? हालांकि कुछ लोगों को यह अच्छा लगा है। एक यूजर ने लिखा है, एआई का बेहतरीन इस्तेमाल। एक दूसरे यूजर ने लिखा है, एआई का अच्छा इस्तेमाल।

वरुण का मृणाल और पूजा, दोनों के साथ पहला कोलैबोरेशन है, और उनके पिता डेविड धवन के साथ मैं तेरा हीरो, जुड़वा 2 और कुली नंबर 1 के बाद यह उनकी चौथी फिल्म है। टिप्स फिल्म्स इसके प्रोड्यूसर हैं। सपोर्टिंग कास्ट में फिल्म में चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल और मौनी रॉय शामिल हैं।

है जवानी तो इश्क होना है बॉक्स ऑफिस पर इम्तियाज अली की मैं वापस आउंगा और करण जौहर की फिल्म चांद मेरा दिल से क्लैश होगी। मैं वापस आउंगा में दिलजीत दोसांझ, शारवरी और वेदांग रैना ने अभिनय किया है। जबकि चांद मेरा दिल में लक्ष्य और अनन्या पांडे हैं, इन दोनों फिल्मों के अलावा अनुराग कश्यप की बंदर, जिसमें बॉबी देओल अहम भूमिका में है, और मिलाप जावेरी की तेरा यार हूं मैं भी 22 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित। शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com